रीवा
15 जून 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

खान सर कोचिंग विवाद- रौशन आनंद के भाई की मौत

आंख पर चोट; जहर देने की भी आशंका; 5 हिरासत में

पटना,एजेंसी। पटना के ज्ञानबिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की मौत हो गई है। नेपाल के विराटनगर के एक होटल में शव मिला है।

प्रिंस की आंख पर चोट के निशाना हैं। बताया जा रहा है कि बॉडी में जहर भी पाया गया है। नेपाल पुलिस ने इस मामले में 5 लोगों को हिरासत में लिया है। 2 जून को खान सर कोचिंग में हुए हमले के बाद खान सर ऊर्फ फैजल खान की ओर से कराई गई FIR में प्रिंस भी नामजद आरोपी था।

FIR होने के बाद अपने 6-7 दोस्तों के साथ प्रिंस नेपाल में रह रहा था। देर रात उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई है। मामले की जानकारी मिलते ही रौशन आनंद के परिजन नेपाल के लिए रवाना हो गए हैं। प्रिंस पर 2021 में भी खान सर की कोचिंग पर हमले का आरोप था।

प्रिंस यादव के चाचा मनोज सिंह ने बताया कि रविवार की सुबह सोशल मीडिया जरिए घर वालों को प्रिंस यादव की मौत की जानकारी मिली। मौत कैसे हुई है यह पता नहीं है, लेकिन नेपाल के विराट नगर में एक होटल से उसकी संदिग्ध मौत की जानकारी मिली है।

भारत पर यूएस का दबाव बेअसर

रूस से तेल पर हुई बड़ी डील चीन के बाद दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना

नई दिल्ली,एजेंसी। वैश्विक प्रतिबंधों और भू-राजनीतिक दबावों के बावजूद भारतीय रिफाइनरियों ने रूस से रियायती दरों पर कच्चे तेल की खरीद और अधिक बढ़ा दी है। यूरोप के थिंक टैंक 'सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (CREA) की रिपोर्ट के अनुसार, मई महीने में भारत ने रूस से करीब 5.8 अरब यूरो (लगभग 6.7 अरब डॉलर) के जीवाश्म ईंधन का आयात किया, जिससे वह चीन के बाद रूसी ईंधन का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बना हुआ है।

रूस से तेल न खरीदने की सलाह देने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव को दरकिनार करते हुए भारत ने पिछले महीने के मुकाबले मई में भारत के कुल कच्चे तेल के आयात में 8 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसका मुख्य कारण रूस से होने वाले आयात में आई 21 प्रतिशत की भारी तेजी है। गुजरात के जामनगर और वाडिनार जैसे बड़े रिफाइनिंग हब के साथ-साथ सरकारी तेल कंपनियों ने भी इस दौरान रूसी कच्चे तेल की आवक को काफी बढ़ाया है। इस महीने रूस से भारत के कुल आयात में कच्चे तेल की हिस्सेदारी लगभग 83 प्रतिशत थी, जिसका मूल्य 4.8 अरब यूरो था, जबकि तेल उत्पादों और कोयले का आयात क्रमशः 550 मिलियन यूरो और 429 मिलियन यूरो रहा। भारत के कुछ सबसे बड़े रिफाइनिंग केंद्रों में रूसी कच्चे तेल की आवक में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।

100 प्रतिशत इथेनॉल से चलेंगी गाड़ियां, सरकार ने दी मंजूरी

गडकरी बोले:6 हफ्ते में कंपनियां इसके लिए गाड़ियां लॉन्च करेंगी, प्रदूषण और पेट्रोल खर्च घटेगा

नागपुर,एजेंसी। केंद्र सरकार ने देश में 100% शुद्ध इथेनॉल को बतौर ईंधन इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार, 13 जून को नागपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस फैसले से जुड़े नियमों और रेगुलेशंस को अंतिम रूप देने वाली फाइल पर उन्होंने साइन कर दिए हैं। इस कदम का मुख्य उद्देश्य देश की कच्चे तेल (फॉसिल फ्यूल) के इम्पोर्ट पर निर्भरता को कम करना और ट्रांसपोर्ट सेक्टर से होने वाले प्रदूषण को रोकना है। **पेट्रोल के मुकाबले काफी सस्ता ऑप्शन, घटेगा इम्पोर्ट बिल:** नितिन गडकरी ने जोर देकर कहा कि इथेनॉल पेट्रोल के मुकाबले किफायती और टिकाऊ विकल्प बनकर उभर सकता है। भारत अभी अपनी जरूरत का एक बड़ा हिस्सा विदेशों से क्रूड ऑयल इम्पोर्ट करके पूरा करता है, जिससे देश के खजाने पर वित्तीय बोझ पड़ता है। 100% इथेनॉल के आने से न सिर्फ आम जनता को महंगे पेट्रोल से राहत मिलेगी, बल्कि भारत का भारी-भरकम ईंधन आयात बिल भी काफी हद तक कम हो जाएगा।

अगले 6 हफ्तों में बाजार में आएंगी इथेनॉल से चलने वाली कारें...

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश के ऑटोमोबाइल सेक्टर ने इस बदलाव को स्वीकार कर लिया है और कई बड़ी कंपनियां 100% इथेनॉल से चलने वाले वाहन बाजार में उतारने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गडकरी के मुताबिक, टोयोटा, सुजुकी, स्न्न और हुंडई सहित अन्य कंपनियां अगले 6 हफ्तों के भीतर अपने ऐसे नए मॉडल्स भारतीय बाजार में लॉन्च करने जा रही हैं जो पूरी तरह इथेनॉल पर चलेंगे।

आरएसएस सबसे बड़ा, लेकिन सबसे ज्यादा गलत समझे जाने वाला संगठन: मोहन भागवत

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि संघ दुनिया का सबसे बड़ा स्वैच्छिक संगठन है, लेकिन साथ ही इसे सबसे ज्यादा गलत भी समझा गया है। भागवत शनिवार को यहां आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। भागवत ने कहा कि यूनिफॉर्म में स्वयंसेवकों के रूट मार्च के कारण बाहर के लोगों को संघ एक अर्धसैनिक बल जैसा लग सकता है, या भारतीय खेलों और मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने के कारण यह एक अखिल भारतीय व्यायामशाला जैसा दिख सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि संघ सिर्फ इतना ही नहीं है। इसे बाहर से देखकर समझना बेहद मुश्किल है। संघ को समझने का सबसे सही तरीका यही है कि आप इसके साथ जुड़ें और भीतर से इसका अनुभव करें।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''हालांकि, ऐसा करने के लिए पहले व्यक्ति को यह भरोसा होना चाहिए कि संघ को परखना और समझना पूरी तरह सुरक्षित है। कोई व्याख्यान या किताब कम से कम संघ के प्रति इतनी समझ तो विकसित कर ही सकती है।''

उन्होंने कहा, क्योंकि संघ को अक्सर गलत समझा जाता है, इसलिए अपने शताब्दी वर्ष समारोहों के हिस्से के रूप में संगठन ने तय किया है कि वह सीधे लोगों तक पहुंचेगा।

सत्य नहीं, दुनिया ताकत का करती है समान:

सामर्थ्य के महत्व पर विशेष जोर देते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि दुनिया केवल शक्तिशाली लोगों की ही सुनती है। उन्होंने वेनेजुएला संकट का परोक्ष रूप से जिक्र किया और कहा, अगर आप मजबूत हैं, तो वेनेजुएला पर कब्जा करने के बाद भी कोई कुछ नहीं कहेगा।संघ किसी के विरोध में नहीं... आरएसएस प्रमुख ने विरोधियों और आलोचकों को जवाब देते हुए कहा कि संघ किसी विशेष परिस्थिति की प्रतिक्रिया के रूप में पैदा नहीं हुआ है। संघ समाज के किसी भी वर्ग या किसी भी राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं है।

कोलकाता के बड़े प्राइवेट अस्पतालों को गरीबों के लिए 10प्रतिशत बेड रखने होंगे आरक्षित

कोलकाता,एजेंसी। बंगाल की नई भाजपा सरकार ने गरीब व जरूरतमंद मरीजों के लिए बेहतर और सुलभ इलाज सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा फैसला लिया है। राज्य के नवनियुक्त स्वास्थ्य मंत्री डॉ. शारद्वत मुखर्जी ने सरकारी अस्पतालों और निजी अस्पताल प्रबंधन के साथ बैठक के बाद घोषणा की।उन्होंने कहा कि कोलकाता के उन 17 बड़े निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम्स को, जिन्हें सरकार की ओर से जमीन आवंटित की गई थी, अब अपने कुल बेड का 10 प्रतिशत हिस्सा गरीब मरीजों के लिए आरक्षित रखने होंगे।

सरकारी अस्पतालों से रेफर किए गए मरीजों के लिए यह बेड आरक्षित रखना अनिवार्य होगा। इस फैसले के तहत कोलकाता के कुल 17 बड़े निजी अस्पतालों में मौजूद 6,573 बेड में से 660 बेड अब गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए सुरक्षित किए जाएंगे।

इनमें प्रमुख अस्पताल हैं -अपोलो अस्पताल (75 बेड), फोर्टिस हेल्थकेयर (33 बेड), रूबी जनरल अस्पताल (40 बेड), पीयरलेस अस्पताल (67 बेड), नारायणा (68 बेड), केपीसी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल (106 बेड) सहित अन्य नामी संस्थान शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के सूत्रों के अनुसार, दो बड़े निजी अस्पताल फिलहाल सरकार के इस नियम को मानने के लिए तैयार नहीं हुए हैं।

बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा- पाटलिपुत्र स्टेशन पर पथराव-तोड़फोड़

ट्रेनें रोकीं, छात्रों का आरोप- व्यवस्थाएं सही नहीं थीं; पुलिस ने फायरिंग की, 6 गिरफ्तार

पटना,एजेंसी। परीक्षा शुरू होने से पहले पाटलिपुत्र रेलवे स्टेशन पर छात्रों ने जमकर हंगामा किया। परीक्षा देने पहुंचे छात्रों ने अव्यवस्थाओं का आरोप लगाया। मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छात्रों ने कई ट्रेनों को रोक दिया था। स्टेशन पर दुकानों, एग्जाम स्पेशल ट्रेन में तोड़फोड़ की। इसके चलते कांच के टुकड़े स्टेशन पर बिखर गए। ढ्ढत्र जितेन्द्र राणा को हालात काबू करने के लिए फायरिंग करनी पड़ी।

यूपी में आंधी-बिजली से पांच लोगों की मौत

एमपी में एंबुलेंस पर पेड़ गिरा; 9 राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के आठ राज्यों में प्री मानसून एक्टिव हो गया है। वहीं, राजस्थान समेत 9 राज्यों में बारिश हो रही है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान की कई जगहों पर आंधी और बारिश का कहर देखने को मिला।शनिवार को एमपी के भोपाल समेत चार जिलों में बारिश हुई। आंधी के बाद पेड़ और बिजली के तार टूट गए। वहीं, यूपी में आंधी-बारिश के दौरान हुए हादसों में 5 लोगों की मौत हो गई। उन्नाव और गाजीपुर में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई तो कासगंज में मकान की छत गिरने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हुई। राजस्थान के चुरू में आंधी-बारिश के चलते मकान की दीवार गिरने से परिवार के 4 सदस्य मलबे में दब गए। ग्रामीणों ने राहत और बचाव कार्य शुरू करके इन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया।

झारखंड और ओडिशा में मानसून की एंट्री

झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में मानसून की एंट्री हो गई और इसके अगले 3 दिन में मानसून के छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश पहुंचने की संभावना है। 4 जून को केरलम में दस्तक देने के बाद मानसून 9 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है।

इन राज्यों में पहुंचा मानसून

13 जून को केरलम, कर्नाटक, गोवा, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मणिपुर, त्रिपुरा, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, असम, मेघालय, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में मानसून पहुंचा।14 जून से 5 जुलाई को छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, गुजरात, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान में पहुंच जाएगा।

इन राज्यों में गर्मी का असर

राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई शहरों में शुक्रवार को पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहा।

देश में सबसे ज्यादा पारा महाराष्ट्र के यवतमाल में दर्ज किया गया। यहां 42.4 डिग्री सेल्सियस का पारा रहा। वहीं छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में 42 डिग्री सेल्सियस, गुजरात के भावनगर में 41.9 डिग्री सेल्सियस, राजस्थान के जैसलमेर में 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

किन राज्यों में बारिश के आसार

मौसम विभाग के मुताबिक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होने से 19 जून तक उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में बारिश होती रहेगी। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और उत्तराखंड में 14 से 19 जून तक बारिश की संभावना। हिमाचल प्रदेश में 14 से 19 जून के बीच बारिश का दौर शुरू होगा। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19 जून तक रुक-रुक कर बारिश होगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 14 जून और 18-19 जून को बारिश के आसार। पश्चिमी राजस्थान में 14 से 17 जून और 19 जून को बारिश की संभावना। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में 14 जून को तेज हवाएं चल सकती हैं। उत्तराखंड में 15 जून तक बारिश की संभावना बनी रहेगी। हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 14 जून को आंधी और बिजली गिरने की आशंका है।

कैलास मानसरोवर यात्रा 2026 शुरू

दिल्ली से रवाना हुआ श्रद्धालुओं का पहला जत्था

नई दिल्ली,एजेंसी। कैलास मानसरोवर यात्रा, 2026 के पहले जत्थे को दिल्ली से रवाना किया गया। विदेश राज्यमंत्री पबित्र मार्गरिटा ने शनिवार को जवाहरलाल नेहरू भवन में तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना करने के कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मार्गरिटा ने तीर्थयात्रियों को बधाई दी और बताया कि उन्हें हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा (वर्चुअली) उद्घाटन किए गए नए अनुकूलन केंद्रों में रहने की सुविधा दी जाएगी। विदेश राज्य मंत्री ने अलग-अलग सरकारी मंत्रालयों, विभागों और उत्तराखंड, सिक्किम व उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों की लगातार कोशिशों की सराहना की, जो तीर्थयात्रा पर जाने वाले नागरिकों को बेहतर अनुभव देने के लिए प्रयास कर रहे हैं। गुरुवार को चीन में भारत के राजदूत विक्रम दोराईस्वामी ने ल्हासा (तिब्बत) का दौरा किया, ताकि भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए स्थानीय अधिकारियों द्वारा की गई व्यवस्थाओं की संयुक्त रूप से समीक्षा की जा सके।

नई वर्दी, नई पहचान: भारतीय सेना ने अपनाई बंदी जैकेट

छोड़ी ब्रिटिश परंपरा; टैटू-मूंछों और हेयरकट को लेकर नियम सख्त

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय सेना ने औपनिवेशिक दौर की परंपराओं को खत्म करने के लिए अपनी ड्रेस से जुड़े नियमों में बदलाव किए हैं। इसके तहत औपचारिक मौकों पर बंद-गले वाली 'बंदी' जैकेट पहनने की मंजूरी दी गई है, सेरेमोनियल पाउच बेल्ट को हटाया गया है और परेड के दौरान रिव्यूइंग अधिकारियों के लिए तलवार साथ रखना वैकल्पिक कर दिया गया है।

इन बदलावों की जानकारी हाल ही में जारी 174 पेज के मैनुअल 'आर्मी यूनिफॉर्म्स-2026' में दी गई है। इस मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ऐसा मैनुअल आखिरी बार आठ साल पहले जारी किया गया था।

मैनुअल में क्या कहा गया?

एक न्यूज चैनल और अंग्रेजी समाचार वेबसाइट हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मैनुअल में बताया गया, 'देश की भावनाओं और बदलती संप्रभु पहचान को ध्यान में रखते हुए, कई सोच-समझकर किए गए बदलाव शामिल किए गए हैं। कुल मिलाकर, ये बदलाव औपनिवेशिक दौर की बची-खुची निशानियों की प्रगतिशील समीक्षा को दर्शाते हैं, साथ ही भारतीय सेना की गरिमा, कार्यक्षमता और स्थायी परंपराओं को भी बनाए रखते हैं।'

बदलावों के तहत, सेना ने सभी रैंक के सैनिकों के लिए '3बी' नाम की एक नई विंटर ड्रेस (सर्दियों की वर्दी) शुरू की है। इसमें अंगोला शर्ट के साथ बैटल जैकेट और बेरेट शामिल है।

यूनिफॉर्म के अलावा क्या बदला?

यूनिफॉर्म के अलावा नियमों में कर्मचारियों के लुक और ग्रूमिंग से जुड़े कई तरह के स्टैंडर्ड शामिल हैं। जैसे कि टैटू और बॉडी पियर्सिंग से लेकर हेयरकट, मूंछें और कॉस्मेटिक्स का इस्तेमाल।

पहली बार, नियमों में अधिकारियों को फॉर्मल ड्रेस कोड के तौर पर 'बंदी जैकेट' पहनने की इजाजत दी गई है। यह बंदगला, लाउंज सूट, कॉम्बिनेशन ड्रेस या टाई और फॉर्मल ट्राउजर के साथ फुल-स्लीव शर्ट के अलावा है। मैनुअल में कहा गया है, 'पूरी आस्तीन वाली शर्ट के ऊपर बंद गले का कोट (बंदी जैकेट) पहना जा सकता है। बंदी जैकेट गले पर हुक वाली या बिना हुक वाली हो सकती है (दोनों तरह के डिजाइन मान्य हैं) और इसका रंग सॉलिड और सोबर होना चाहिए। इसके साथ सोबर डिजाइन वाली मैचिंग फॉर्मल ट्राउजर और बंद फॉर्मल जूते पहने जाने चाहिए।'

महिलाओं की ड्रेस

नियमों के तहत महिला अधिकारी सादे रंगों की साड़ियां या दुपट्टे के साथ कुर्ता-सलवार और टखने तक की लंबाई वाली सीधी पैंट पहन सकती हैं। इनमें बिना आस्तीन वाले कुर्ते और पलाजो या सिगरेट पैंट जैसे कैजुअल लोअर पहनने पर साफ तौर पर रोक लगाई गई है।

प्रदेश में सैलानियों की बाढ़, गाड़ियों से सड़कें जाम

शिमला में एक दिन में 30 हजार वाहनों की एंट्री

शिमला, एजेंसी। राजधानी शिमला समेत सभी महत्त्वपूर्ण स्थल पर्यटन सीजन में पर्यटकों से पैक हो गए है। वीकेंड पर शनिवार को पर्यटकों के शिमला में 30 हजार से अधिक वाहन शिमला पहुंचे हैं।

सैलानियों की संख्या बढने् से शिमला के होटल 85 प्रतिशत पैक हो गए हैं। बाहरी राज्यों में पड़ रही भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए बड़ी संख्या में लोग शिमला का रुख कर रहे हैं। शिमला पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पर्यटन सीजन के दौरान राजधानी शिमला में डेढ़ माह में 12.3 लाख वाहनों की आवाजाही दर्ज की गई है। शिमला में पर्यटकों की संख्या और वाहनों के दबाव को देखते हुए शिमला पुलिस ने यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। पुलिस के अनुसार मई 2026 के दौरान शोघी, बिलासपुर और किन्नौर की ओर से आने वाले प्रमुख मार्गों पर करीब 8.5 लाख वाहनों की आवाजाही दर्ज की गई, जबकि जून माह में अब तक लगभग 3.8 लाख वाहन शहर में प्रवेश कर चुके हैं। शिमला पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था में सिविल वालंटियर्स और छात्र स्वयंसेवकों को भी शामिल किया है।

वर्तमान में करीब 50 स्वयंसेवक विभिन्न स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की सहायता कर रहे हैं। इसके साथ ही 32 ट्रैफिक बाइक राइडर्स को अलग-अलग सेक्टरों में तैनात किया गया है।

बढ़ते ट्रैफिक से निपटने को पांच सेक्टर में बांटा शिमला: वर्ष 2025 में बढ़ते ट्रैफिक दबाव से निपटने के लिए जहां 127 कर्मी तैनात थे, वहीं इस वर्ष यह संख्या बढ़ाकर 210 कर दी गई है। समर फेस्टिवल के दौरान तैनात तीन रिजर्व कंपनियों के करीब 70 पुलिस कर्मियों को शिमला में बनाए रखा गया है। यातायात की बेहतर निगरानी के लिए पूरे शिमला शहर को पांच सेक्टरों में विभाजित किया है।

सड़क पर खराब वाहनों को हटाने के लिए तीन क्रेन तैनात

पुलिस ने बताया कि कभी-कभी वाहनों के खराब होने से यातायात प्रभावित होता है। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए विभिन्न सेक्टरों में तीन क्रेन तैनात की गई हैं, जो तुरंत मौके पर पहुंचकर खराब वाहनों को हटाती हैं और यातायात को सामान्य बनाती हैं।

पार्किंग स्थलों पर निगरानी: यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए इंटरसेप्टर वाहन भी विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय हैं। पुलिस ने शहर के प्रमुख पार्किंग स्थलों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती की है, ताकि वाहनों का प्रवेश और निकास सुचारू बना रहे। कुफरी, नारकंडा, ठियोग और किन्नौर की ओर जाने वाले यात्रियों को शोगी-मेहली बाइपास मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी जा रही है। वर्तमान में प्रतिदिन 800 वाहनों को इस मार्ग की ओर डायवर्ट किया जा रहा है।

एसएसपी बोले, ट्रैफिक राइडर्स की संख्या बढ़ाई

एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि यातायात प्रबंधन को और सुदृढ़ करने के लिए पुलिस बल की तैनाती बढ़ाई गई है। इसी प्रकार ट्रैफिक राइडर्स की संख्या बढ़ाई गई है, ताकि विभिन्न स्थानों पर त्वरित प्रतिक्रिया एवं यातायात नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। इसके अतिरिक्त ट्रैफिक वॉलंटियर्स भी इस अभियान से जुड़े हैं तथा आगे और स्वयंसेवकों को भी इस पहल से जोडने् की प्रक्रिया जारी है। शहर में यातायात की स्थिति पर सतत निगरानी एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए एक इंटरसेप्टर वाहन का उपयोग किया जा रहा है।

गुरुग्राम में महिला सिपाही ने मांगी थी रिश्वत, थाना प्रभारी भी लाइन हाजिर

गुरुग्राम, एजेंसी। एक केस से दो भाइयों का नाम निकलवाने के लिए महिला सिपाही द्वारा 50 हजार रुपये की रिश्वत लेने के मामले में गुरुग्राम पुलिस ने अब उस थाने की प्रभारी को भी लाइन हाजिर कर दिया है। एसीबी गुरुग्राम की टीम ने मानेसर महिला थाने में तैनात मुख्य सिपाही कविता को गुरुवार रात 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया था। शिकायतकर्ता ने एसीबी को शिकायत दी थी कि उसकी पत्नी द्वारा महिला थाना मानेसर में उसके और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई गई है। मामले की जांच कर रही हेड कांस्टेबल कविता ने शिकायतकर्ता के भाइयों बलराम और मुकेश के नाम मुकदमे से हटाने के बदले 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की थी। एसीबी द्वारा कविता की गिरफ्तारी के बाद गुरुग्राम पुलिस आयुक्त ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से महिला थाना मानेसर प्रभारी इंस्पेक्टर नेहा राठी को भी लाइन हाजिर कर दिया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि भ्रष्टाचार अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता में संलिप्त पाए जाने वाले किसी भी कर्मचारी व अधिकारी के विरुद्ध सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

घर या वाहन, प्लास्टिक व फाइबर भड़काते हैं आग, दम घोंटता है धुआं, क्या हैं गंभीर प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ दिनों में आग लगने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि आग लगने के कारण भले ही शॉर्ट-सर्किट, गैस रिसाव, बैटरी में खराबी या लापरवाही हों, लेकिन घरों और वाहनों में

बढ़ते प्लास्टिक, फाइबर, फोम और अन्य कृत्रिम पदार्थ, आग को तेजी से फैलाने और धुएं की मात्रा बढ़ाने का काम कर रहे हैं। विशेषज्ञों का सुझाव है कि आधुनिक सुविधाओं व आकर्षक सजावट के साथ सुरक्षा पर भी बराबर ध्यान देना आवश्यक है, ताकि आग लगने की स्थिति में जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके। अग्नि सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, आजकल घरों और दफ्तरों में पीवीसी पैनल, फाइबर शीट, फाल्स सीलिंग और वाल क्लैडिंग का उपयोग तेजी से बढ़ा है। मॉड्यूलर फर्नीचर, लैमिनेट, फोम वाले सोफे, गद्दे और प्लास्टिक की सामग्री का उपयोग पहले की तुलना में कहीं अधिक हो रहा है। इमारतों के रंग-रोगन में विभिन्न प्रकार की सिंथेटिक कोटिंग्स और सजावटी परतों का उपयोग भी बढ़ा है। ये सामग्री आमतौर पर आग लगने का कारण नहीं होतीं, लेकिन आग लगने के बाद उसे तेजी से फैलाने में मदद करती हैं। कई कृत्रिम पदार्थ जलने पर अत्यधिक गर्मी और घना धुआं पैदा करते हैं, जिससे आग पर काबू पाना मुश्किल हो जाता है। बंद व कम वेंटीलेशन वाली जगहों में ऐसी सामग्री आग को कुछ ही मिनट में पूरे हिस्से में फैला सकती है। श्वसन तंत्र पर तुरंत होने वाले प्रभाव आंख, नाक और गले में जलन, खांसी सांस लेने में तकलीफ, सांस फूलना, सीने में जकड़न शरीर में आक्सीजन की कमी कुछ ही मिनट में बेहोशी या दम घुटने की स्थिति पैदा हो जाती है गंभीर प्रभाव श्वसन मार्ग में सूजन फेफड़ों पर गहरा रसायनिक प्रभाव सांस लेने में मुश्किल देर से होने वाले प्रभाव ब्रोंकाइटिस फेफड़ों की क्षमता में कमी अस्थमा जैसे लंबे समय तक रहने वाले लक्षण सिंथेटिक पदार्थ जलने पर निकलती हैं जहरीली गैसें इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में सीनियर कंसल्टेंट, रेस्पिरेटरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन डा. राजेश चावला के अनुसार, आग से लोगों की मौत केवल जलने से नहीं होती, कई मामलों में जहरीला धुआं अधिक घातक साबित होता है। प्लास्टिक, पीवीसी, फोम, रबर और अन्य सिंथेटिक पदार्थ जलने पर खतरनाक गैसें निकलती हैं। इनमें कार्बन मोनोआक्साइड, हाइड्रोजन सायनाइड, हाइड्रोजन क्लोराइड, फास्जीन गैस और सल्फर डाइआक्साइड जैसी गैसें शामिल हैं।

नोएडा में अब कचरे की चार श्रेणियों में छंटाई अनिवार्य, उल्लंघन पर लगेगा भारी जुर्माना

नोएडा,एजेंसी। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को अधिक प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए नए सालिड वेस्ट मैनेजमेंट 2026 नियम लागू कर दिए गए हैं। नए प्रविधनों के तहत अब घरों, संस्थानों और व्यावसायिक परिसरों को कचरा का स्त्रोत स्तर पर ही चार श्रेणियों में पृथक्करण करना अनिवार्य होगा। नियमों के अनुसार गीला कचरा, सूखा कचरा, सेनेटरी वेस्ट और स्पेशल केयर वेस्ट को अलग-अलग एकत्रित करना होगा। गीले कचरे में फल-सब्जियों के छिलके और अन्य जैविक अपशिष्ट शामिल होंगे, जबकि सूखे कचरे में कागज, प्लास्टिक तथा अन्य पुनर्चक्रण योग्य सामग्री रखी जाएगी। डायपर और सैनिटरी पैड को सेनेटरी वेस्ट तथा बल्ब, ट्यूबलाइट और एक्सपायरी दवाओं को स्पेशल केयर वेस्ट की श्रेणी में रखा गया है। नए नियमों के तहत 20 हजार वर्ग मीटर या उससे अधिक क्षेत्रफल वाले भवन, प्रतिदिन 40 हजार लीटर से अधिक जल उपयोग करने वाले संस्थान या 100 किलोग्राम से अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न करने वाले परिसर बल्क वेस्ट जेनरेटर माने जाएंगे। इसमें सामुदायिक भवन, विवाह स्थल, विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय और बड़े संस्थागत परिसर शामिल हैं। कचरा प्रबंधन व्यवस्था को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए एक केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल भी शुरू किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कचरे का पृथक्करण न करने, गलत जानकारी देने या नियमों की अनदेखी करने पर केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा पर्यावरण क्षतिपूर्ति के साथ भारी जुर्माना वसूला जाएगा।

डेटिंग ऐप पर अनजान लड़की से मिलना पड़ा भारी, गाजियाबाद में फिर सामने आया 'हनी ट्रैप' का मामला

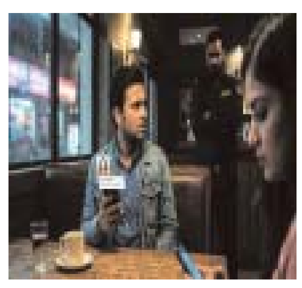

गाजियाबाद, एजेंसी। आरडीसी में डेटिंग ऐप के जरिए युवकों को फंसाकर कैफे में ले जाने और वहां मारपीट कर रुपये वसूलने का मामला एक बार फिर सामने आया है। कविनगर थाने में एक युवक ने युवती उसकी सहेली और कैफे कर्मचारियों पर मारपीट, बंधक बनाने और 13 हजार रुपये वसूलने का आरोप लगाया है।द्य पीड़ित राघवेंद्र कुमार शुक्ल ने पुलिस को बताया कि उनकी पहचान टिंडर ऐप पर दीपिका रावत नाम की युवती से हुई थी। बातचीत के बाद युवती ने उन्हें शुक्रवार को मिलने के लिए आरडीसी स्थित गौर माल बुलाया। आरोप है कि माल पहुंचने पर युवती ने परिवार के लोगों के मौजूद होने की बात कहकर सामने स्थित एक कैफे में चलने को कहा। पीड़ित के अनुसार कैफे में पहले से मौजूद कुछ युवक शैंपेन, हुक्का और खाने-पीने का सामान मंगाने लगे। विरोध करने और कोई आर्डर न देने की बात कहने पर युवती और उसकी सहेली ने उन्हें जाने के लिए कहा। आरोप है कि बाहर निकलते समय कैफे के तीन कर्मचारियों ने उनका रास्ता रोक लिया और पीछे ले जाकर मारपीट की। इस दौरान जेब में रखे 10 हजार रुपये निकाल लिए गए। पुलिस को फोन करने का प्रयास करने पर मोबाइल छीनने की कोशिश की गई। जान बचाने के लिए उन्हें तीन हजार रुपये आनलाइन ट्रांसफर करने पड़े। आरडीसी क्षेत्र में पिछले दो वर्षों के दौरान हनी ट्रैप के जरिए कैफे में वसूली के कई मामले सामने आ चुके हैं। इसके बावजूद पुलिस एक भी मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है। लगातार हो रही घटनाओं से आरडीसी में बीट पुलिसिंग पर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यमुना किनारे सफाई अभियान का किया नेतृत्व, कई भाजपा नेता भी हुए शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को यमुना घाट पर 'मां यमुना नदी तट सफाई अभियान' का नेतृत्व किया। इस दौरान दिल्ली सरकार के मंत्रियों, विधायकों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने यमुना नदी के किनारे स्थित कई घाटों पर बड़े पैमाने पर सफाई अभियान चलाया। इस अभियान में अलग-अलग संगठनों के हजारों वालंटियर्स और पार्टी नेताओं ने भी हिस्सा लिया। इस मौके पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'आज यहां अलग-अलग संगठनों के हजारों वॉलंटियर्स ने 'श्रमदान' में हिस्सा लिया। हमारी भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने भी सफाई अभियान में भाग लिया और 'श्रमदान' के ज़रिए योगदान दिया। रविवार सुबह 6 बजे से ही यमुना की सफाई का अभियान लगातार चल रहा है। सैकड़ों ट्रक कूड़ा यहां से निकला है। यमुना में लोगों ने पूजन सामग्रियां, भगवान के वस्त्र और मूर्तियां और टूटे

पात्र फेंक देते हैं। ऐसे में हम घर का पूजन सामग्री साफ करके किस भगवान को खुश कर रहे हैं। मां यमुना गंदी होंगी तो कोई भी भगवान प्रसन्न नहीं होंगे। यमुना सफाई जहां सरकार का पूर्ण रूप से दायित्व है, वहीं नागरिकों को इसके प्रति अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यहां रहने वाले सभी लोगों को यमुना में कूड़ा न फेंकने का संकल्प लेना होगा।' सीएम रेखा गुप्ता ने कहा, 'आज 22 किमी लंबाई वाले यमुना तट पर कई संस्थाओं के वालिंटियर्स और भाजपा कार्यकर्ताओं ने सफाई की। यह स्वच्छता अभियान लगातार जारी रहेगा। दिल्ली सरकार पूरी मुस्तैदी से काम करेगी और सभी लोगों को भी यमुना के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करना होगा। केंद्रीय राज्यमंत्री व दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ??ने भी यमुना घाट पर सफाई अभियान में हिस्सा लिया। हर्ष मल्होत्रा ??ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी व सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने यह जिम्मेदारी उठाई है और आज पूरी दिल्ली में कई वॉलंटरी संगठन 28 अलग-अलग जगहों पर यमुना की सफाई में जुटे हुए हैं। ' भाजपा विधायक उमंग बजाज ने कहा, 'आज पूरी दिल्ली में भाजपा कार्यकर्ता यमुना की सेवा में सफाई अभियान चला रहे हैं। जैसा कि आप जानते हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसेवा के 12 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर पार्टी कार्यकर्ता यमुना घाटों की सफाई कर रहे हैं। 'भाजपा सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा, 'दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ??के नेतृत्व में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पूरी कैबिनेट, दिल्ली के सभी सातों सांसद, भाजपा विधायक, नगर पार्षद और हजारों पार्टी कार्यकर्ता यमुना सफाई अभियान के लिए एक साथ आए हैं। ' बड़े पैमाने पर चलाए गए अभियान में यमुना घाट, आईटीओ घाट और कालिंदी कुंज समेत कई जगहों पर सभी लोगों ने मिलकर सफाई की और नदी के किनारे की सफाई की मुहिम के तहत श्रमदान किया।

अमेरिका-ईरान के बीच डील कब: डोनाल्ड ट्रंप ने शांति समझौते को लेकर क्या कहा 106 दिनों बाद खत्म होगा गतिरोध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि ईरान के साथ एक नया और ऐतिहासिक समझौता होने जा रहा है। इस डील पर आज यानी रविवार को हस्ताक्षर किए जाएंगे। ट्रंप का दावा है कि इस नए समझौते के तुरंत बाद रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में ईरान के साथ अमेरिका के संबंध पिछली सरकारों की तुलना में बहुत अलग और काफी बेहतर हो चुके हैं।

ओबामा प्रशासन पर निशाना: ट्रंप ने अपने बयान में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में हुए साल 2015 के परमाणु समझौते (जेसीपीओए) पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया कि ओबामा की वह डील ईरान के लिए परमाणु हथियार हासिल करने का एक बेहद आसान, खूबसूरत और सुगम रास्ता थी। उनका कहना है कि अगर वह समझौता लागू रहता, तो ईरान के पास छह साल पहले ही परमाणु बम आ गया होता। ईरान अब तक उसका इस्तेमाल भी कर चुका होता। ट्रंप ने आरोप लगाया कि पिछली सरकारों ने ईरान को सैकड़ों अरब डॉलर का भुगतान किया। इसमें 1.7 अरब डॉलर यानी 16,202.32 करोड़ रुपये की नकद राशि भी शामिल थी, जो सीधे कैश के रूप में दी गई।

नई डील का ब्लूप्रिंट: डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनका नया समझौता ओबामा की डील के बिल्कुल विपरीत है। यह ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए एक अभेद्य दीवार की तरह काम करेगा।

पीएम पहुंचे फ्रांस, भारतीय समुदाय से मिले; जी-7 देशों के सम्मेलन समेत कई अहम बैठकें

पेरिस, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से भी मुलाकात करेंगे। वह इस दौरान कई देशों के नेताओं के साथ अलग-अलग बैठकें करेंगे। अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, ट्रंप सम्मेलन के दौरान यूक्रेन मुद्दे पर होने वाले विशेष कार्य सत्र में जी-7 नेताओं और राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ शामिल होंगे। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि हाल के समय में यूक्रेन में रूस की सैन्य प्रगति काफी हद तक धीमी पड़ी है। एक वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन चाहता है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष जल्द से जल्द समाप्त हो। हालांकि फिलहाल ट्रंप और जेलेंस्की के बीच किसी औपचारिक द्विपक्षीय बैठक की योजना नहीं है, लेकिन सम्मेलन के इतर दोनों नेताओं की मुलाकात की संभावना से इन्कार नहीं किया गया है।

फ्रांस पहुंचे पीएम मोदी का भारतीय समुदाय ने किया भव्य स्वागत: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फ्रांस के नीस शहर पहुंचने पर वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। होटल पहुंचते ही बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग उनके स्वागत के लिए एकत्रित हुए और देशभक्ति के माहौल के बीच तिरंगा लहराते हुए उनका अभिनंदन किया।

होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों पर शुल्क लगा सकता है ईरान, यूएस से समझौते पर अनिश्चितता

वॉशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए रविवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर होंगे। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर बताया कि इस समझौते के तुरंत बाद रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य सभी के लिए खुल जाएगा। पाकिस्तान ने भी संकेत दिए हैं कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत अंतिम चरण में है।

रविवार को एक इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर समारोह आयोजित हो सकता है। हालांकि, ईरान ने अभी तक इस समयसीमा पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। ट्रंप ने कहा कि वह ईरान और पूरे पश्चिम एशिया के साथ भविष्य में काम करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने उम्मीद जताई कि यह प्रक्रिया जल्दी और आसानी से पूरी हो जाएगी। साथ ही, उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर यह समझौता सफल नहीं होता है, तो अमेरिका के पास एक 'अंतिम विकल्प' भी मौजूद है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस विकल्प का इस्तेमाल करने की जरूरत कभी नहीं पड़ेगी।

अमेरिका-ईरान समझौते से बढ़ी इस्त्रायल की चिंता: अमेरिका और ईरान के बीच जल्द होने वाले समझौते की खबरों ने इस्त्रायल की चिंता बढ़ा दी है। इस्त्रायली मीडिया और विशेषज्ञों का मानना है कि इस समझौते से ईरान का प्रभाव और बढ़ेगा। इस्त्रायली अखबार 'मारिव' के अनुसार, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सैन्य मोर्चे पर तो जीत हासिल की, लेकिन राजनीतिक लड़ाई में वह ईरान से हार गए। अखबार ने लिखा कि इस्त्रायल इस समझौते की शर्तों को बदलने में नाकाम रहा है। यह इस्त्रायल के राजनीतिक नेतृत्व की बड़ी विफलता है। 'वाईनेट' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस्त्रायली अधिकारी इस बात से परेशान हैं कि बातचीत में उनकी कोई भूमिका नहीं रही। एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसे बुरा समझौता करार दिया है। वहीं, 'हारेत्ज' अखबार का कहना है कि ईरान ने अपनी आर्थिक और रणनीतिक ताकत के दम पर अमेरिका को झुकने पर मजबूर किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान अब केवल खुद को बचाने की कोशिश नहीं कर रहा, बल्कि वह एक बड़ी क्षेत्रीय शक्ति के रूप में उभर रहा है। अमेरिका के पास कोई ठोस रणनीति नहीं है और वह केवल काम चलाऊ रास्ता अपना रहा है।

होर्मुज को लेकर अमेरिकी अधिकारियों का दावा: अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के साथ एक समझौता करने जा रहे हैं। इस समझौते की मुख्य शर्त यह है कि ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य बिना किसी टैक्स या टोल के खोलना होगा। जैसे ही ईरान इसे खोलेगा, अमेरिका अपनी समुद्री पाबंदियां हटा लेगा। इसके बाद समुद्र से बारूदी सुरंगें हटाने का काम शुरू होगा। इस काम में ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देश भी मदद करेंगे।

नेतन्याहू बोले- हम किसी डील का हिस्सा नहीं बनेंगे: इस बीच पश्चिम एशिया से जुड़ी एक बड़ी राजनीतिक हलचल सामने आई है। ईरान और अमेरिका के बीच संभावित समझौते को लेकर चल रही चर्चाओं में इस्त्राइल की कोई भागीदारी नहीं है। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि उनका देश इस समझौता वार्ता का हिस्सा नहीं बनेगा और किसी भी प्रस्तावित डील में शामिल नहीं होगा।

खामनेई का अंतिम संस्कार 4 जुलाई से, 9 को दफनाए जाएंगे: ईरान के सरकारी मीडिया ने शनिवार को बताया कि ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेई का अंतिम संस्कार 4 जुलाई को तेहरान में शुरू होगा और 9 जुलाई को मशहद में उन्हें दफनाने के साथ संपन्न होगा। फरवरी में ईरान पर इस्त्राइली और अमेरिकी हमलों में खामनेई मारे गए थे। उनकी मौत के साथ ही उनके तीन दशक लंबे कार्यकाल का अंत हो गया।

ईरान से जुड़े 24 घंटे में 4 बड़े अपडेट्स: पिछले 24 घंटे में ईरान से जुड़े कई अहम घटनाक्रम सामने आए हैं, जिनमें अमेरिका के साथ संभावित समझौते से लेकर रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण तक के मुद्दे शामिल हैं। इन घटनाओं ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई बहस और असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है।

1. समझौते की शर्तों पर अटकलों से बचने की अपील: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित समझौते को लेकर दोनों पक्ष पहले से कहीं ज्यादा करीब हैं। उन्होंने मीडिया और विश्लेषकों से अपील की कि वे समझौते की शर्तों को लेकर किसी भी तरह की अटकलें न लगाएं।

2. जिनेवा डील साइन की खबरें खारिज: तेहरान ने स्पष्ट किया है कि 14 जून को जिनेवा में किसी समझौते पर हस्ताक्षर होने की खबरें पूरी तरह गलत हैं। ईरान ने कहा कि फिलहाल प्रक्रिया जारी है और कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: एसपी रामजी श्रीवास्तव ने 110 पुलिसकर्मियों के तबादले किए, कई थानों में नई पदस्थापना

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। जिले में पुलिस व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से शहडोल पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस व्यापक कार्रवाई के तहत कुल 110 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के तबादले के आदेश जारी किए गए हैं। इस कदम को पुलिस विभाग में लंबे समय से लंबित प्रशासनिक संतुलन और कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है जारी सूची के अनुसार सूबेदार प्रियंका शर्मा को यातायात थाना से स्थानांतरित कर पुलिस लाइन भेजा गया है। वहीं, सब इंस्पेक्टर आनंद झरिया को सोहागपुर थाना से कोतवाली शहडोल में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन तबादलों के जरिए विभिन्न थानों और शाखाओं में अनुभव और कार्यक्षमता का संतुलन स्थापित करने का प्रयास किया गया है इस बड़े फेरबदल में कुल 15 सहायक उप निरीक्षक (स्ढ्ढ), 39 प्रधान आरक्षक और 54 आरक्षक शामिल हैं। इसके अलावा महिला आरक्षक सहित उप निरीक्षक स्तर तक के कर्मचारियों को भी जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों, चौकियों और पुलिस शाखाओं में नई पदस्थापना दी गई है। पुलिस विभाग का कहना है कि इससे जमीनी स्तर पर पुलिसिंग और अधिक प्रभावी होगी तबादला सूची में जिले के प्रमुख थानों एवं इकाइयों जैसे कोतवाली, सोहागपुर, जयसिंहनगर, जैतपुर, गोहपारू, अमलाई, धनपुरी, सिंहपुर, बुढार, ब्यौहारी, खैरहा, पपौंध, देवलोंद, महिला थाना, यातायात शाखा तथा एसडीओपी कार्यालय ब्यौहारी शामिल हैं। इन सभी स्थानों पर नए अधिकारियों की तैनाती की गई है जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा प्रमुख तबादलों में एएसआई करतार सिंह को अमलाई से खैरहा भेजा गया है, जबकि अंजना अहिरवार को धनपुरी से सिंहपुर स्थानांतरित किया गया है। इसी तरह सुरेश अहिरवार को कोतवाली से जयसिंहनगर थाना भेजा गया है। इन बदलावों को विभागीय संतुलन और अनुभव के बेहतर उपयोग के रूप में देखा जा रहा है पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह स्थानांतरण पुलिस स्थापना नीति 2026 के तहत किया गया है इसके अनुसार जिन अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक ही पदस्थापना स्थल पर लगातार चार वर्ष या एक ही अनुभाग में 10 वर्ष की अवधि पूर्ण कर ली थी, उनका प्रशासनिक आधार पर तबादला किया गया है पुलिस विभाग के अधिकारियों के अनुसार इस बड़े फेरबदल का मुख्य उद्देश्य कार्यकुशलता में सुधार करना, प्रशासनिक संतुलन बनाए रखना तथा विभिन्न थानों में अनुभवी स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित करना है साथ ही इससे कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी आदेश जारी होने के बाद पुलिस विभाग में व्यापक हलचल देखी जा रही है। स्थानांतरित कर्मियों को शीघ्र नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं यह आदेश आगामी निर्देश तक प्रभावशील रहेगा इस व्यापक प्रशासनिक बदलाव को शहडोल पुलिस व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है जिससे आने वाले समय में जिले की कानून व्यवस्था और अधिक चुस्त-दुरुस्त होने की उम्मीद जताई जा रही है।

रामपुर नैकिन में जनकल्याण शिविर के दूसरे दिन आयोजित हुई कृषक चौपाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश शासन द्वारा संचालित विशेष जनकल्याण अभियान के अंतर्गत नगर परिषद सभागार रामपुर नैकिन में आयोजित जनकल्याण शिविर के दूसरे दिन का आयोजन किसान कल्याण वर्ष की थीम पर किया गया। इस अवसर पर कृषक चौपाल का आयोजन कर किसानों को कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य, सहकारिता एवं सामाजिक न्याय विभाग की योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई

कृषक चौपाल में कृषि विभाग की ओर से सहायक संचालक कृषि एवं परियोजना संचालक आत्मा डॉ. राजेश सिंह ने किसानों को उन्नत खेती, फसल विविधीकरण, प्राकृतिक एवं जैविक खेती, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन तथा शासन द्वारा संचालित किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाकर उत्पादन एवं आय में वृद्धि करने का आह्वान किया वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी (एसएडीओ) रामपुर नैकिन तथा ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी (वीएस) श्रवण कुर्मी ने किसानों को खरीफ फसलों की तैयारी, उर्वरक एवं बीज प्रबंधन, फसल सुरक्षा उपायों तथा कृषि विभाग की विभिन्न अनुदान आधारित योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की मत्स्य विभाग के मयंक मिश्रा ने मत्स्य पालन को आय का प्रभावी वैकल्पिक स्रोत बताते हुए विभागीय योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं वित्तीय सहायता संबंधी प्रावधानों की जानकारी दी। उद्यानिकी विभाग के आरएचईओ ओमकार तिवारी ने फल, सब्जी एवं मसाला फसलों की उन्नत खेती, उद्यानिकी विस्तार कार्यक्रमों तथा विभागीय अनुदान योजनाओं पर प्रकाश डाला

चौपाल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं, मौसमी बीमारियों से बचाव तथा स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई। सहकारिता विभाग ने किसानों को सहकारी संस्थाओं के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं एवं ऋण योजनाओं के बारे में बताया जबकि सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की गई इस अवसर पर जनपद पंचायत रामपुर नैकिन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजीव तिवारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे उन्होंने किसानों की समस्याएं सुनीं तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। कृषक चौपाल में बड़ी संख्या में किसान भाई उपस्थित रहे। किसानों ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों से सीधे संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया तथा शासन की योजनाओं की जानकारी हासिल की।

सीधी के गजरही में रेलवे ने मकान तोड़े विरोध के बीच कई परिवार बेघर, बरसात से पहले उजड़े आशियाने

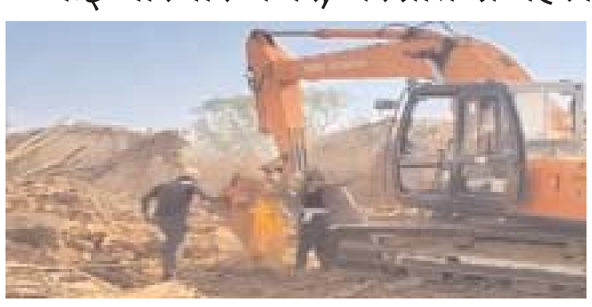

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के बहरी थाना क्षेत्र के ग्राम गजरही में रविवार शाम करीब 4 बजे रेलवे विभाग ने अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की रेलवे अधिकारियों और ठेकेदार की मौजूदगी में बुलडोजर चलाकर कई मकानों को ध्वस्त कर दिया गया इस कार्रवाई का प्रभावित परिवारों ने जमकर विरोध किया जिससे मौके पर कुछ समय के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही जेसीबी मकानों को तोड़ने पहुंची स्थानीय लोग विरोध में उतर आए कई ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर जेसीबी चालक के सामने खड़े हो गए और कार्रवाई रोकने का प्रयास किया कुछ देर तक मौके पर विवाद की स्थिति बनी रही लेकिन अधिकारियों की मौजूदगी में कार्रवाई जारी रखी गई बिना मुआवजे के तोड़े घर स्थानीय निवासी आशीष यादव ने आरोप लगाया कि उनके मकान सहित उनके परिवार के कुल छह मकानों को बिना किसी मुआवजे के तोड़ दिया गया उन्होंने मुन्ना यादव और सुरेश यादव के मकानों का भी जिक्र किया आशीष यादव के अनुसार उन्होंने कई बार तहसील कार्यालय में आवेदन देकर मुआवजा और पुनर्वास की मांग की थी लेकिन किसी अधिकारी ने उनकी बात नहीं सुनी आशीष यादव ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है और ऐसे समय में मकान तोड़ दिए जाने से उनका पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे आ गया है उन्होंने प्रशासन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि अब उनके सामने अपने परिवार को सुरक्षित रखने की बड़ी चुनौती है ग्रामीणों का कहना है कि यदि अतिक्रमण हटाना आवश्यक था तो पहले प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और मुआवजे की व्यवस्था की जानी चाहिए थी बिना किसी वैकल्पिक इंतजाम के मकान तोड़ने से कई परिवार बेघर हो गए हैं जिससे उनके सामने रहने की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।

पेट्रोल-डीजल की किल्लत,ईंधन की कमी कई पंपों पर ताले बोतलों में हो रही बिक्री वाहन चालक परेशान

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले में पेट्रोल और डीजल की भारी किल्लत सामने आई है। कच्चे तेल की आपूर्ति में वैश्विक अनिश्चितता के कारण जिले के कई पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी से आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे वाहन चालकों को परेशानी हो रही है ईंधन की कमी के कारण लोग अपनी वाहनों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बोतलों और जेरिकेन डिब्बों में पेट्रोल-डीजल खरीदने को मजबूर हैं शहर के प्रमुख नथमल पेट्रोल पंप पर पेट्रोल खत्म होने के बाद बड़ी संख्या में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालक पहुंचे। पेट्रोल मिलने की उम्मीद में वाहनों की लंबी कतारें सड़क तक लग गईं लेकिन घंटों इंतजार के बावजूद ईंधन उपलब्ध न होने पर उन्हें निराश लौटना पड़ा।

बोतलों में पेट्रोल बिक्री से हादसों का खतरा: ईंधन की इस कमी का फायदा उठाकर कुछ लोग बाहर से पेट्रोल और डीजल लाकर बोतलों और जेरिकेन में अधिक कीमत पर बेच रहे हैं शहर के कई हिस्सों में प्लास्टिक की बोतलों में पेट्रोल की बिक्री की तस्वीरें सामने आई हैं जहां वाहन चालक मजबूरी में ऊंचे दाम चुकाकर ईंधन खरीद रहे हैं विशेषज्ञों और सुरक्षा जानकारों ने प्लास्टिक की बोतलों में पेट्रोल के भंडारण और बिक्री को बेहद जोखिम भरा बताया है उनका कहना है कि पेट्रोल अत्यधिक ज्वलनशील है और गर्मी, घर्षण या मामूली चिंगारी भी बड़ी आगजनी का कारण बन सकती है। बोतलों में ईंधन का भंडारण और परिवहन सुरक्षा मानकों के खिलाफ है।

अनियमित ईंधन आपूर्ति से जनजीवन प्रभावित: स्थानीय नागरिकों के अनुसार, जिले में पिछले कुछ दिनों से पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति अनियमित बनी हुई है कई पंपों पर सीमित मात्रा में ईंधन उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं में चिंता बढ़ गई है लोगों का कहना है कि इसका असर आवश्यक सेवाओं, व्यापारिक गतिविधियों और रोजमर्रा की आवाजाही पर पड़ रहा है फिलहाल प्रशासन या तेल कंपनियों की ओर से आपूर्ति बाधित होने के कारणों और स्थिति सामान्य होने की समय-सीमा को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी जारी नहीं की गई है।

10 दिन से ब्लैक कोबरा की दहशत वन विभाग ने किया रेस्क्यू, कर्मचारियों ने ली राहत की सांस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी शहर के नए बस स्टैंड के पास स्थित अंकित सिंह परिहार के गोदाम में पिछले 10 दिनों से लगभग 3 फीट लंबा एक ब्लैक कोबरा सांप कर्मचारियों के लिए दहशत का कारण बना हुआ था जहरीले सांप की मौजूदगी के कारण गोदाम में कामकाज भी प्रभावित हो रहा था रविवार सुबह वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर सांप का सुरक्षित रेस्क्यू किया और उसे जंगल में छोड़ दिया, जिसके बाद कर्मचारियों ने राहत की सांस ली जानकारी के अनुसार, गोदाम में कई दिनों से ब्लैक कोबरा लगातार दिखाई दे रहा था। कर्मचारी जैसे ही काम करने पहुंचते, सांप कभी बाहर निकलकर फुफकार मारता तो कभी गोदाम के भीतर छिप

छात्राओं को परेशान करने वाला युवक गिरफ्तार

रील बनाकर पुलिस छवि से भी खिलवाड़, आरोपी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली पुलिस ने कॉलेज छात्राओं को परेशान कर सोशल मीडिया पर रील बनाने वाले युवक को गिरफ्तार किया है। नौगढ़ क्षेत्र निवासी दीपक साकेत ने गलती स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है और भविष्य में ऐसी गलती न दोहराने का आश्वासन दिया है यह मामला तब सामने आया जब 8 जून को आरोपी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में युवक बैढ़न थाना क्षेत्र के मल्हार पार्क के पास सड़क से गुजर रही कॉलेज छात्राओं को मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति का अभिनय करते हुए परेशान कर रहा था इस वीडियो की व्यापक आलोचना हुई थी और लोगों ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी। दैनिक भास्कर में 8 जून को यह मामला प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की।

आरोपी ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी: पुलिस ने रविवार को आरोपी दीपक साकेत को ढूंढकर उसके खिलाफ कार्रवाई की। पूछताछ के दौरान युवक ने अपनी हरकत को गलत बताया और सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। इसी तरह 8 जून को सरई थाना के नाम और पुलिसकर्मियों की तस्वीरों का उपयोग कर बनाई गई एक अन्य विवादित रील भी वायरल हुई थी, जिसमें पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार किया था सिंगरौली पुलिस अधीक्षक सियाज के एम ने बताया कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक, भ्रामक या समाज में गलत संदेश देने वाली सामग्री पोस्ट करने वालों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति ऐसी हरकत करने का दुस्साहस न कर सके।

कियोस्क संचालकों का फूटा आक्रोश, आर्थिक शोषण के आरोपों से गरमाया मामला

यूनियन बैंक रीवा आरओ पर गंभीर आरोप, निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के रीवा रीजनल ऑफिस (आरओ) से जुड़े कियोस्क (बीसी) संचालकों ने बैंकिंग व्यवस्था में कथित अनियमितताओं और आर्थिक शोषण को लेकर मोर्चा खोल दिया है। प्रभावित संचालकों का आरोप है कि बैंक द्वारा अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से कियोस्क आवंटित किए जाने के बाद उनसे लाखों रुपये का निवेश कराया गया, लेकिन बाद में बिना उचित कारण और पूर्व सूचना के उनके बीसी कोड बंद कर दिए गए कियोस्क संचालकों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उन्होंने अपनी बचत, पारिवारिक संसाधनों और बैंक ऋण के माध्यम से कंप्यूटर, प्रिंटर, बायोमेट्रिक मशीन, इंटरनेट सहित अन्य उपकरणों की व्यवस्था की। कई युवाओं ने रोजगार की उम्मीद में 5 से 10 लाख रुपये तक का निवेश किया, लेकिन अब उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है बिना नोटिस कार्रवाई का आरोप संचालकों का आरोप है कि कई मामलों में बिना किसी लिखित नोटिस, स्पष्टीकरण या सुनवाई का अवसर दिए उनके बीसी खाते और कोड बंद कर दिए गए। उनका कहना है कि इससे न केवल उनकी आय पूरी तरह बंद हो गई, बल्कि ग्राहकों को भी बैंकिंग सेवाओं के लिए परेशान होना पड़ रहा है रोजगार और परिवारों पर पड़ा असर प्रभावित संचालकों का कहना है कि कियोस्क संचालन उनके परिवार की आय का प्रमुख स्रोत था। कोड बंद होने के बाद कई संचालक कर्ज की किस्तें चुकाने में असमर्थ हो गए हैं। उनका दावा है कि इस कार्रवाई से दर्जनों परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। न्यायालय जाने की तैयार कियोस्क संचालकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायतों पर निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई और बंद किए गए कोडों की समीक्षा नहीं हुई, तो वे न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के साथ-साथ सामूहिक आंदोलन करने को भी मजबूर होंगे च्चस्तरीय जांच की मांग संचालकों ने बैंक के उच्च अधिकारियों, वित्त मंत्रालय और संबंधित नियामक संस्थाओं से मामले की स्वतंत्र जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच के माध्यम से यह स्पष्ट होना चाहिए कि कोड बंद करने की प्रक्रिया निर्धारित नियमों के तहत की गई थी या नहीं बैंक का पक्ष आना बाकी समाचार लिखे जाने तक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी थी। बैंक का पक्ष मिलने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

ग्रामीणों की सतर्कता से पकड़ा गया अवैध शराब परिवहन बाइक छोड़कर फरार हुए दो युवक, पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। क्षेत्र में अवैध शराब तस्करी का एक मामला उस समय सामने आया जब ग्रामीणों की सतर्कता के चलते बाइक पर ले जाई जा रही भारी मात्रा में शराब पकड़ी गई हालांकि बाइक सवार दो युवक ग्रामीणों को देखकर मौके से फरार हो गए घटना ने इलाके में अवैध शराब कारोबार को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है जानकारी के अनुसार, दोपहर लगभग 3 बजे रजमिलान की ओर से माड़ा की तरफ जा रही एक बाइक को संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर ग्रामीणों ने रोका। बताया जाता है कि बाइक पर सवार दोनों युवक तेज गति से जा रहे थे और उनके व्यवहार पर ग्रामीणों को संदेह हुआ। जैसे ही ग्रामीणों ने उन्हें रोकने और पूछताछ करने का प्रयास किया, दोनों युवक घबराकर बाइक वहीं छोड़कर मौके से भाग निकले ग्रामीणों ने जब छोड़ी गई बाइक की जांच की तो उसमें भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई मिली इस पर तुरंत स्थानीय लोगों ने माड़ा पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बाइक तथा बरामद शराब को अपने कब्जे में लेकर थाने ले गई घटनास्थल पर मौजूद लोगों के अनुसार, शराब को बड़े स्तर पर एक स्थान से दूसरे स्थान तक अवैध रूप से परिवहन किए जाने की आशंका जताई जा रही है। बाइक पर लदी शराब की मात्रा देखकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह किसी संगठित तस्करी नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। हालांकि पुलिस ने फिलहाल इसकी पुष्टि नहीं की है और मामले की जांच जारी है पुलिस ने बाइक के नंबर और मौके से मिले अन्य साक्ष्यों के आधार पर फरार दोनों युवकों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह भी देखा जा रहा है कि शराब कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था माड़ा थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके से बाइक और अवैध शराब जब्त कर ली है। उन्होंने कहा कि फरार आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने के लिए पुलिस टीम सक्रिय रूप से काम कर रही है थाना प्रभारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में आबकारी अधिनियम सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस अवैध कारोबार के पीछे और कौन लोग शामिल हो सकते हैं घटना के बाद क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों पर लगातार निगरानी और सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके फिलहाल पुलिस की टीम फरार दोनों युवकों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है और मामले की गहन जांच जारी है।

सूने मकान से 5 लाख से अधिक की चोरी परिवार अमरकंटक दर्शन पर गया था

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के सोहागपुर थाना क्षेत्र में एक सूने मकान से 5 लाख रुपए से अधिक की चोरी हुई है चोरों ने लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ किया यह घटना वार्ड क्रमांक 13 में तब हुई जब परिवार अमरकंटक दर्शन के लिए गया हुआ था।

अमरकंटक दर्शन के लिए गया था परिवार: वार्ड क्रमांक 13 निवासी रवि कुशवाहा शनिवार सुबह करीब 7 बजे अपने परिवार के साथ अमरकंटक दर्शन के लिए रवाना हुए थे। रात लगभग 10 बजे जब वे वापस लौटे, तो घर का पिछला दरवाजा खुला पाया सामने के दरवाजे पर ताला लगा हुआ था घर के अंदर सामान बिखरा हुआ था जांच करने पर पता चला कि अलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवरात और 14 हजार रुपए नकद गायब थे। पीड़ित रवि कुशवाहा के अनुसार, चोरी हुए सामान की कुल कीमत 5 लाख रुपए से अधिक है।

पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज: रवि कुशवाहा ने तत्काल सोहागपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है जिले में चोरी की बढ़ती घटनाओं ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है हाल ही में जयसिंहनगर क्षेत्र में घर के आंगन में सो रहे परिवार के मकान से लाखों रुपए की चोरी हुई थी। इसके अलावा, जैतपुर थाना क्षेत्र में एक सेवानिवृत्त शिक्षक के घर से 70 लाख रुपए से अधिक की बड़ी चोरी का अब तक खुलासा नहीं हो पाया है।

क्या दुनिया अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातों पर भरोसा कर सकती है?

संपादकीय

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन कोई न कोई ऐसा बयान देते हैं, जिसके बाद कई स्तर पर उथल-पुथल हो जाती है। हालांकि आमतौर पर कुछ ही समय के बाद वे या तो अपनी बात से उलट कुछ नया कह देते हैं या फिर उसे वापस ले लेते हैं। विडंबना यह है कि वैश्विक कद के मद्देनजर ट्रंप के बयानों को बिल्कुल बेमानी मान लेना भी संभव नहीं होता और उनके विचारों को स्थिर मानना भी मुश्किल होता है।

दरअसल, कई बार बेहद हड़बड़ी में की गई उनकी टिप्पणियों की वजह से ऐसी स्थितियां पैदा हुई, जिनका वैश्विक स्तर पर व्यापक असर हुआ, लेकिन वे खुद अपनी बातों को लेकर गंभीर नहीं दिखे। मसलन, करीब दो महीने पहले जब पाकिस्तान के इस्लामाबाद में ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत नाकाम हुई थी, तब ट्रंप ने युद्ध की आग ज्यादा भड़कने को लेकर लगातार कई धमकियां दी थीं।

इसके बाद शेयर बाजार में 4500 से ज्यादा अंकों की तेज गिरावट दर्ज की गई थी। मगर जब भी वे हमलों के धीमा पड़ने या बातचीत को लेकर सकारात्मक बयान देते हैं, तो उसके बाद शेयर बाजार में भारी उछाल देखा जाता है।

इसके अलावा, पश्चिम एशिया में जारी युद्ध की वजह से दुनिया के ज्यादातर देशों की आपूर्ति शृंखला बाधित है और वे भी ट्रंप के रुख को लेकर फिक्रमंद रहते हैं। ट्रंप जब कहते हैं कि युद्ध खत्म करने या विराम को लेकर सहमति बन सकती है, तो उससे शेयर बाजार में राहत के साथ-साथ प्रभावित देशों के भीतर शांति और स्थिरता की उम्मीद पैदा हो जाती है। मगर इससे बेखबर ट्रंप अगले ही दिन इसके उलट या भ्रम पैदा करने वाला कोई और बयान दे देते हैं। गौरतलब है कि गुरुवार को ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी की कि बहुत जल्द ईरान के तेल-गैस उद्योगों और खार्ग द्वीप पर कब्जा कर लिया जाएगा और इसके लिए अमेरिका आज रात ईरान पर व्यापक पैमाने पर हमला करेगा। जाहिर है, इसके बाद युद्ध के और जटिल शक्ल अख्तियार करने को लेकर व्यापक आशंका पैदा हुई। मगर इसके कुछ ही घंटे बाद उन्होंने कहा कि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ रही है और इस वजह से उस पर बमबारी रद्द कर दी गई है। यह कोई अकेला उदाहरण नहीं है, बल्कि जब से ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजराइल ने साझा हमला किया, तब से वे कई बार इसी तरह के बयान दे चुके हैं और उससे पलट चुके हैं। यह समझना मुश्किल है कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच जारी जिस युद्ध की वजह से न केवल इन देशों के नागरिक, बल्कि कई अन्य देश भी बुरी तरह प्रभावित हैं और व्यापक ऊर्जा संकट का सामना कर रहे हैं, उसके बारे में ट्रंप इतने हल्के अंदाज में कैसे कोई भी बयान दे देते हैं। उनके अगंभीर रवैये की वजह से कई बार ऐसे हालात बन जाते हैं, जिनका कुछ देशों की आर्थिक स्थिति पर बेहद नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अफसोस की बात यह है कि जल्दबाजी भरे बयानों और उनमें स्थिरता न रहने के कारण उनकी विश्वसनीयता में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है।

जीवनभर सहारा देने वाले क्यों झेल रहे हैं उपेक्षा?

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 15 जून को विश्वभर में 'विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस' मनाया जाता है, जिसका प्रमुख उद्देश्य बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की ओर लोगों का ध्यान आकर्षित करना, उन्हें जागरूक करना और इसे रोकने के प्रयास करना ही है। वर्ष 2026 में विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस का वैश्विक विषय है 'जागरूकता से परेः बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार की रोकथाम को कारगर बनाना।' इस विषय का मुख्य उद्देश्य बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार के प्रति जागरूकता को ठोस, कार्रवाई योग्य नीतियों में बदलना और ऐसे मजबूत, सुरक्षात्मक तंत्र सुनिश्चित करना है जो बुजुर्गों के अधिकारों का सम्मान करते हों। भारतीय संस्कृति में तो बुजुर्गों को अनुभवों की खान माना जाता रहा है लेकिन चिंताजनक स्थिति यह है कि हमारे यहां भी अब बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और उनकी उपेक्षा के मामले निरन्तर बढ़ रहे हैं। भारत में संयुक्त परिवारों के बजाय आधुनिक युग में एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण भी बुजुर्गों की उपेक्षा के मामलों में वृद्धि हो रही है।

आज की आधुनिक दुनिया में बुजुर्गों के साथ ऐसे बर्ताव के बढ़ते मामलों के पीछे सोशल स्टेट्स भी प्रमुख वजह माना जाता है। दरअसल समाज में स्वयं की हैसियत बड़ी दिखाने की चाहत में कुछ लोगों को अपने ही परिवार के बुजुर्ग मार्ग की बड़ी रूकावट लगने लगते हैं। ऐसी ही रुढ़िवादी सोच के कारण उच्च वर्ग से लेकर मध्यम वर्ग तक में अब वृद्धजनों के प्रति स्नेह की भावना कम हो रही है। बुजुर्गों की उपेक्षा के मामले हालांकि केवल भारत तक ही सीमत नहीं हैं बल्कि विदेशों में तो बुजुर्गों की हालत और भी बुरी है लेकिन भारत के संदर्भ में यह स्थिति ज्यादा चिंताजनक इसीलिए है क्योंकि भारतीय समाज में सदैव सयुंक्त परिवार को अहमियत दी जाती रही है, जहां बुजुर्गों का सर्वोपरि स्थान रहा है। हमारे यहां दादा-दादी, माता-पिता, ताऊ-ताई, चाचा-चाची तथा कई बच्चों के साथ भरा-पूरा परिवार होता था, परिवार में बड़ों को सम्मान और छोटों को प्यार दिया जाता था लेकिन आज के बदलते दौर में छोटे और एकल परिवार की चाहत में संयुक्त परिवार की धारणा खत्म होती जा रही है, जिसके कारण लोग जहां अपने बुजुर्गों से दूर हो रहे हैं, वहीं बच्चे भी दादा-दादी, नाना-नानी के प्यार से वंचित हो रहे हैं। अकेले रहने के कारण जहां अब बुजुर्गों के प्रति अपराध बढ़ने लगे हैं, वहीं छोटे परिवारों में बच्चों को परिवार के बुजुर्गों का सानिध्य नहीं मिलने के कारण उनकी कार्यशैली पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में दुनियाभर में वृद्धों एवं प्रौढ़ों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने और वृद्धजनों के प्रति उदारता तथा उनकी देखभाल की जिम्मेदारी के अलावा उनकी समस्याओं के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने की सख्त जरूरत महसूस होने लगी है।

हमारे बुजुर्ग ही हमारे घर की नींव और समाज की अमूल्य विरासत होते हैं, जिनके अनुभव पूरे परिवार, समाज और देश के काम आते हैं। जिस घर में बुजुर्गों का सम्मान होता है, वह घर स्वर्ग से भी सुंदर माना जाता है। इसके बावजूद बहुत से परिवारों में बुजुर्गों को निरन्तर अपने ही परिजनों की उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है। ऐसे परिजनों को इस बात का आभास कराया जाना बेहद जरूरी है कि आज के युवा भी आने वाले समय में वृद्ध होंगे। जीवन में हम आज जो भी हैं, अपने घर के बुजुर्गों की बदौलत ही हैं, जिनके व्यापक अनुभवों और शिक्षाओं से हम जीवन में सभी प्रकार की कठिनाईयों को पार करने में सक्षम होते हैं। सही मायनों में हमारे बुजुर्ग ही हमें जीवन जीने का सही मार्ग सिखाते हैं। ऐसे में यदि बुजुर्गों को अपनापन और उचित मान-सम्मान दिया जाए, उनकी पसंद-नापसंद का ख्याल रखा जाए तो वे घर के लिए बेहद महत्वपूर्ण सिद्ध होते हैं।

बुजुर्गों में स्वास्थ्य चिंताएं, अनिद्रा, डर, हताशा, चिड़चिड़ापन, तनाव, बुरे सपने आना, खालीपन की भावना, भूख की कमी और अनिश्चित भविष्य से जुड़ी चिंता जैसी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। आईआईटी मद्रास ने बुजुर्गों के हैल्थ केयर पर एक सर्वेक्षण किया था, जिसकी रिपोर्ट 'ग्लोबलाइजेशन और स्वास्थ्य' पत्रिका में प्रकाशित हुई थी।

नए जमाने में बुजुर्ग की हो रही है उपेक्षा

आज नए जमाने में बुजुर्ग की उपेक्षा की हो रही है उपेक्षा का अर्थ किसी बात, व्यक्ति या परिस्थिति को नजरअंदाज करना, ध्यान न देना या महत्व न समझना है। इसे बोलचाल में लापरवाही, अनादर या तिरस्कार भी कहा जाता हैआज के ज़माने में, पैसे की बढ़ती अहमियत ने लोगों को इसे कमाने में इतना बिज़ी कर दिया है कि उनके पास दूसरों पर ध्यान देने का टाइम ही नहीं है। बच्चे अक्सर अपने माता-पिता की वैल्यू तभी तक करते हैं जब तक उनके पास पैसा होता है; एक बार पैसा खत्म हो जाने पर, बुजुर्गों की अहमियत खत्म हो जाती है और उन्हें सिर्फ़ बोझ समझा जाता है। 5. अपना फ़ायदाः नई पीढ़ी ज़्यादा सेल्फिश होती जा रही है। वे ज़्यादातर अपने फ़ायदे के लिए काम करते हैं, अपने परिवार के बुजुर्गों की देखभाल तभी करते हैं जब उन्हें विरासत में पैसा या प्रॉपर्टी मिलने की उम्मीद दिखती है; वे सिर्फ़ अपने फ़ायदे के लिए काम करते हैं।

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस 15 जून 26 पर विशेष)

संजय गोस्वामी

अपने बुज़ुर्गों के प्रति सेवा, दया और त्याग की भावना कम होती जा रही है, क्योंकि वे बुज़ुर्गों की देखभाल करने की ज़िम्मेदारी को अपनी आज़ादी में रुकावट मानते हैं। नतीजतन, वे अपने फ़ायदे के लिए बुज़ुर्गों को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। बुज़ुर्गों की परेशानियाँः बुढ़ापे को ज़िंदगी का आखिरी पड़ाव माना जाता है—एक ऐसा पड़ाव जो अक्सर मुश्किलों से घिरा होता है—क्योंकि बुज़ुर्ग कई मुश्किलों से घिरे होते हैं जिनकी वजह से वे दूसरों से जुड़ाव बनाए नहीं रख पाते। समय के साथ समाज में तेज़ी से बदलाव हो रहे हैं। नई पीढ़ी पारंपरिक विचारों वाले लोगों को अपनी ज़िंदगी में शामिल करना सही नहीं समझती; नतीजतन, युवा बुज़ुर्गों के अनुभवों और नज़रिए को नज़रअंदाज़ करने लगते हैं। बुज़ुर्गों को होने वाली परेशानियाँ ज़्यादा साफ़ होती जा रही हैं, जबकि समाज में उनकी उपयोगिता कम होती दिख रही है। इन समस्याओं को इस तरह बताया जा सकता हैः 1. शारीरिक चुनौतियाँः बुढ़ापा ज़िंदगी का आखिरी दौर होता है, एक ऐसा समय जब शरीर अपनी ताकत खोने लगता है। इस दौरान होने वाले शारीरिक बदलाव किसी की सामाजिक प्रतिष्ठा पर असर डालते हैं और कई तरह की परेशानियाँ पैदा करते हैं। जहाँ कुछ लोग साठ साल की उम्र में भी जवान दिखते हैं, वहीं दूसरों को उम्र से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ता है; कुल मिलाकर, बुज़ुर्गों को बढ़ती मुश्किलों और समाज में उनकी अहमियत में कमी का सामना करना पड़ता है। बुढ़ापा ज़िंदगी का आखिरी पड़ाव होता है, एक ऐसा समय जो अक्सर शारीरिक कमज़ोरी और काम करने की कम क्षमता से पहचाना जाता है। गुज़ारे के लिए दूसरों पर निर्भर होना ज़रूरी हो जाता है, और यही निर्भरता बुज़ुर्गों की परेशानियों की जड़ होती है। उन्हें अक्सर शारीरिक और आर्थिक रूप से घुटन भरी ज़िंदगी जीने के लिए मजबूर होना पड़ता है। चाहे वे पढ़े-लिखे हों या अनपढ़, इस समय उनकी ज़िंदगी अक्सर अस्थिर हो जाती है; उन्हें नई पीढ़ी के साथ तालमेल बिठाने में मुश्किल होती है, जिससे उनकी मुश्किलें और बढ़ जाती हैं। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा बुढ़ापे में सामाजिक और आर्थिक असुरक्षा झेलता है, और अक्सर पाता है कि नई पीढ़ी उन्हें ज़्यादा अहमियत नहीं देती। इंसानियत तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ती रहती है। बदलाव कुदरत का एक बुनियादी नियम है, लेकिन इंसानों ने अपनी दिमागी काबिलियत से भी बदलाव को आगे बढ़ाया है। नई सुविधाओं की लगातार तलाश इस तरक्की की चाहत को और बढ़ाती है। आज, इंसानियत तरक्की के उस शिखर पर पहुँच गई है जहाँ विकास की रफ़्तार बहुत तेज़ हो गई है। विकास की रफ़्तार काफ़ी तेज़ हो गई है, और शिक्षा तेज़ी से फैल रही है; शिक्षा से मिला ज्ञान लोगों की लाइफस्टाइल, खाने-पीने की आदतों और सोच में बड़े बदलाव ला रहा है। हर कोई मॉडर्न सुविधाओं से लैस ज़िंदगी चाहता है और ज़्यादा से ज़्यादा आराम पाने की होड़ में फँस गया है; इसी होड़ ने उनसे उनकी खुशी, शांति और सुकून छीन लिया है। वे तेज़ी से स्ट्रेस में आ रहे हैं। उनकी सोच में बड़े बदलाव आए हैं, जिससे आज का युवा पारंपरिक नियमों और पुरानी मान्यताओं से आज़ाद होना चाहता है। इसके उलट, पुरानी पीढ़ी इन बेलगाम बदलावों को मानने में मुश्किल महसूस करती है; वे अपने ज़माने के मूल्यों और आदर्शों को मानते हैं और इस बदलाव के लिए नए ज़माने और नई पीढ़ी को दोषी ठहराते हैं। लेकिन, नई पीढ़ी पुरानी पीढ़ी की सोच और उसूलों को नकार देती है, जिससे उनके बीच दरार पैदा होती है। परिवार में तालमेल की कमी हो जाती है, जिससे बुज़ुर्ग सदस्यों को परेशानी होती है। अगर पुरानी पीढ़ी यह मान ले कि यह युवाओं का ज़माना है—जो मॉडर्न माहौल में पैदा हुए हैं और स्वाभाविक रूप से आज के ज़माने 8द्ब8द्बके हिसाब से जीना पसंद करते हैं—तो इससे मदद मिलेगी। बदलाव तो होना ही है; इसे कोई नहीं रोक सकता। क्योंकि इन बदलावों को रोका नहीं जा सकता, इसलिए समझदारी इसी में है कि हम अपनी सोच को जितना हो सके, बदलने की कोशिश करें। इससे नई पीढ़ी के साथ तालमेल बनता है और यह पक्का होता है कि परिवार में बुज़ुर्गों का सम्मान बना रहे। नतीजतन, परिवार का माहौल अच्छा बना रहता है, जिससे बुज़ुर्ग अपनी बाकी ज़िंदगी आराम और सुकून से बिता पाते हैं। पिछली सदी में इंसानी समाज ने बहुत तरक्की की है। सिर्फ़ सौ साल में, इंसानों ने कई आविष्कार किए हैं—जैसे रेडियो, कार,टेलीविज़न, कंप्यूटर, हवाई जहाज़,

ऑटोमोबाइल, बसें, मोबाइल फोन , और लैपटॉप आदि —जो अब हमारी रोज़ाना की ज़रूरतों का ज़रूरी हिस्सा बन गए हैं; सच में, इंसानों के लिए यह सोचना भी मुश्किल है कि वे क्या कर सकते हैं।आज उनके बिना ज़िंदगी कितनी मुश्किल है। इस तरक्की ने इंसान को कई सुविधाएँ दी हैं, लेकिन उन्हें पाने की होड़ ने समाज के ताने-बाने को भी बिगाड़ दिया है। पुराने काम - जैसे खेती, दुकानदारी और मैन्युफैक्चरिंग - में बड़े बदलाव आए हैं। नई टेक्नोलॉजी की वजह से मेहनत वाले काम पुराने हो गए हैं, और अब मशीनें ऐसे काम कर रही हैं जिनमें पहले बहुत ज़्यादा मेहनत लगती थी। मॉडर्न सुविधाओं और रिसोर्स तक पहुँचने की चाहत आज के युवाओं को पुराने खानदानी बिज़नेस छोड़कर नौकरी की तलाश में दूर-दराज के इलाकों में जाने पर मजबूर कर रही है। ट्रांसपोर्ट के नए तरीकों - जैसे हवाई जहाज, ट्रेन और कार - की मौजूदगी ने युवाओं के लिए कहीं भी नौकरी ढूँढना मुमकिन बना दिया है, जिससे आखिर में जॉइंट फैमिली से न्यूक्लियर फैमिली में बदलाव आ रहा है। जैसे-जैसे युवा अपने गाँव और कस्बे छोड़कर दूर-दराज के इलाकों में जा रहे हैं, बुज़ुर्ग घर पर अकेले रह गए हैं। पुरानी पीढ़ी न तो इन नए बदलावों को समझ पा रही है और न ही उन्हें अपना पा रही है, और न ही वे रोज़ी-रोटी कमाने के नए तरीकों को अपना पा रहे हैं; नतीजतन, उनके पुराने बिज़नेस बोझ बन गए हैं - सफ़ेद हाथी। बढ़ते खर्चों के सामने, उन्हें लगता है कि उनकी कमाई बहुत कम है - जैसे समुद्र में एक बूँद। इस तेज़ी से हो रहे बदलाव की वजह से उन्हें शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की परेशानी होती है। आज के कॉम्पिटिटिव ज़माने में, हर किसी को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है—चाहे वह पढ़ाई हो, काम की जगह हो, या अपनी ज़िंदगी को बेहतर बनाने की होड़ हो। लोग लगातार ज़्यादा से ज़्यादा चीज़ें पाने की कोशिश में लगे रहते हैं, एक ऐसा काम जिसमें उनका ज़्यादातर समय लग जाता है, और खुद के लिए या अपने प्रियजनों के लिए बहुत कम या बिल्कुल भी समय नहीं बचता। समय की इस कमी की वजह से बुज़ुर्गों को नज़रअंदाज़ किया हुआ महसूस होता है। जल्दी पैसा कमाने की चाहत ने युवाओं को चिड़चिड़ा और बेपरवाह बना दिया है। बुज़ुर्ग अक्सर नई पीढ़ी के काम करने के तरीके से परेशान रहते हैं, वे अपने बच्चों को बेपरवाह और नाशुक्रा समझते हैं; काम करने और जीने के नए तरीके उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आते। वे अपने समय को सही ठहराते हैं। आज, हमारे समाज में बुज़ुर्गों के साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा बर्ताव होता है। देश तेज़ी से सामाजिक बदलाव के दौर से गुज़र रहा है, जिससे बुज़ुर्गों को होने वाली समस्याएँ खतरनाक रूप ले रही हैं। इसके मुख्य कारणों में घटती मृत्यु दर और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर आबादी के डायनामिक्स में बदलाव शामिल हैं। हम तेजी से जनसांख्यिकीय असंतुलन की ओर बढ़ रहे हैं, जहां बुजुर्गों को आबादी के गैर-उत्पादक हिस्से के रूप में वर्गीकृत किया गया है, जल्द ही उत्पादक कर्मचारियों की संख्या से आगे निकल जाएंगे। 21वीं सदी में बुजुर्गों की आबादी में अभूतपूर्व वृद्धि का अनुमान है। विकसित देशों में, बेहतर स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा सुविधाएं लोगों को लंबे समय तक जीने में सक्षम बनाती हैं; परिणामस्वरूप, विकासशील देशों की तुलना में वहां बुजुर्गों का अनुपात अधिक है। यहां तक कि भारत और चीन में-जो वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा हैं- बेहतर स्वास्थ्य और चिकित्सा सुविधाओं के कारण बुजुर्गों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की बुजुर्गों की आबादी 103.8 मिलियन है। हालांकि, संख्यात्मक पहलू बुजुर्गों के समाज में एकीकृत होने की चुनौती से कम महत्वपूर्ण है। एकीकरण की इस कमी के दो मुख्य कारण हैंः पहला, उम्र बढ़ने के साथ होने वाले व्यक्तिगत परिवर्तन; और दूसरा, आधुनिक औद्योगिक समाज का अपने बुजुर्ग सदस्यों के प्रति रवैया श्रवण कुमार की कहानी, जो अपने बुजुर्ग माता-पिता को कंधों पर उठाकर पवित्र जगहों की तीर्थ यात्रा पर ले गए थे, इसी श्रद्धा का एक उदाहरण है। आज भी, ज़्यादातर परिवारों में बुजुर्गों को घर का मुखिया माना जाता है। यह बहुत बड़ी अजीब बात है कि जो इंसान कभी पूरे परिवार को सहारा देता था—एक बरगद के पेड़ की तरह—वह अक्सर बुढ़ापे में अकेला, लाचार और अलग-थलग ज़िंदगी जीता है। जो इंसान ज़िंदगी भर सोच, काम और बातों से परिवार की रक्षा करता रहा—उन्हें पौधों से पेड़ बनाता रहा—उसे अक्सर घर के किसी कोने में नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है या हॉस्पिटल या ओल्ड-एज होम में मौत का इंतज़ार करने के लिए छोड़ दिया जाता है। यह आज के कंज्यूमर कल्चर और सामाजिक मूल्यों के खत्म होने का नतीजा है। आज के ग्लोबल समाज में, बुजुर्गों को अक्सर बेकार, दूसरों पर निर्भर, सामाजिक आज़ादी से कटा हुआ, अपने परिवारों द्वारा नज़रअंदाज़ किया हुआ और युवाओं पर बोझ समझा जाता है। जब तक हम सच में बुजुर्गों की कद्र नहीं करते और ज़िंदगी के उस पड़ाव से जुड़े दुखों के साथ हमदर्दी नहीं रखते, तब तक हमारी सारी अच्छाइयां ऊपरी ही रह जाती हैं। मौजूदा समय में मान लीजियेगा बाल बच्चा आपको बुढ़ापे में करने वाला नहीं है इसलिए अपना कर्म करे, और पढ़ाये जब रीतिरिवाज से उसकी शादी कर दीजियेगा बाद में भगवान राम का ध्यान कीजियेगा मन प्रसन्न रहेगा ।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नेहरू फोबिया बनाम मोदी ब्रांडिंग: कुर्सी के बाद क्या बचेगा?

भारतीय राजनीति में कुछ नेता ऐसे होते हैं जिन्हें समय के साथ लोग भूल नहीं पाते, बल्कि उनकी याद और मजबूत हो जाती है। देश के पहले प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानी पंडित जवाहरलाल नेहरू एक ऐसा ही नाम हैं। आज उन्हें गुजरे 60 साल से ज्यादा का समय हो चुका है, फिर भी देश की राजनीति उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमती है। सच तो यह है कि आज उनके विरोधी भी सुबह से शाम तक नेहरू का नाम लिए बिना अपनी राजनीति नहीं चमका पाते। नफरत या विरोध के बहाने ही सही, नेहरू को लगातार याद करना उनकी इसी बड़ी ताकत को दिखाता है।

दिलीप कुमार पाठक

दूसरी तरफ आज देश की सत्ता पर काबिज पीएम नरेंद्र मोदी हैं, अक्सर उनके समर्थक और उनकी पीआर टीम उनकी तुलना नेहरू से करने की कोशिश करती है। ऐसे में एक बड़ा सवाल उठता है - क्या आज से 60 साल बाद कोई उन्हें इस तरह याद करेगा? क्या खुद उनकी अपनी पार्टी भाजपा उन्हें उस आदर के साथ याद रखेगी जो स्थान कांग्रेस में हमेशा नेहरू का रहा है? राजनीति का एक कड़वा सच है कि जो साख केवल सत्ता और डर पर टिकती है, वह कुर्सी जाते ही खत्म हो जाती है। आज भाजपा के भीतर अंदरूनी लोकतंत्र खत्म हो चुका है। लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी जैसे बड़े नेताओं को मार्गदर्शक मंडल के नाम पर घर बैठा देना इसका सीधा सबूत है। जब पूरी राजनीति सिर्फ एक चेहरे के भरोसे चलती है, तो उसे सम्मान नहीं बल्कि तानाशाही रवैया कहा जाता है। आज पार्टी के नेता सम्मान की वजह से नहीं, बल्कि टिकट कटने या किनारे किए

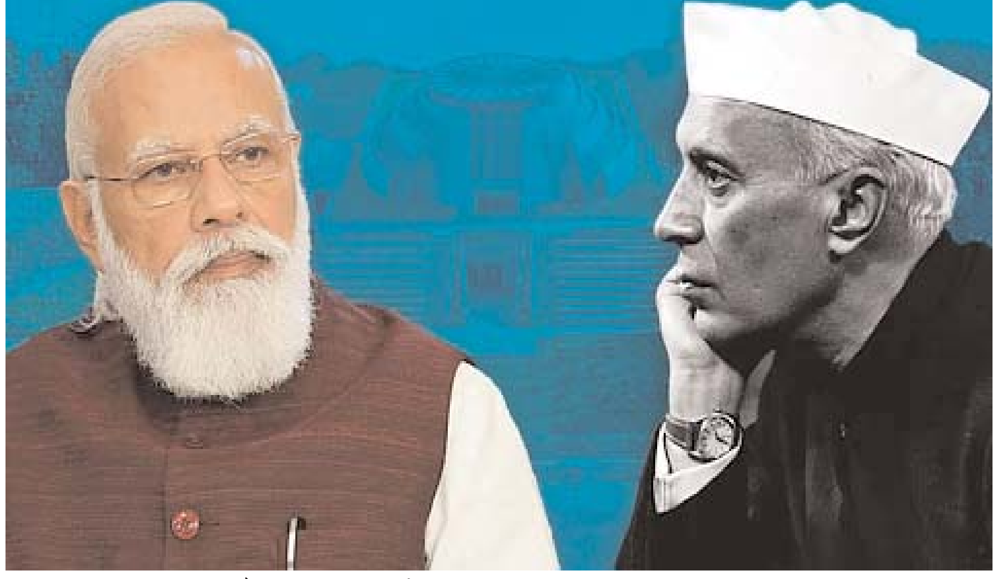

जाने के डर से चुप रहते हैं।

इतिहास गवाह है कि सत्ता की धमक खत्म होते ही ऐसा डर और तिलस्म बिखर जाता है। पंडित नेहरू और आज के नेतृत्व के बीच सबसे बड़ा फर्क संस्थाओं को देखने का था। नेहरू ने देश को सिर्फ चलाया नहीं, बल्कि उसे अपने हाथों से बनाया।

उन्होंने आईआईटी आईआईएम , इसरो, भेल गेल, सेल की नींव रखने वाली संस्था इनकोसपार और भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर जैसी वैज्ञानिक संस्थाएं खड़ी कीं। उन्होंने चुनाव आयोग को पूरी आजादी दी। नेहरू के समय संसद में तीखे सवाल पूछने वाले विपक्ष की बात सुनी जाती थी। एक बार विपक्ष के युवा नेता अटल बिहारी वाजपेयी का शानदार भाषण सुनकर नेहरू ने खुले दिल से कहा था कि यह लड़का एक दिन देश का प्रधानमंत्री बनेगा। इसे कहते हैं बड़ा दिल और लोकतंत्र का असली आदर। इसके ठीक उलट, आज के दौर में सभी सरकारी संस्थाओं को कमजोर किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के चार बड़े जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस से लेकर चुनाव आयोग के फैसलों तक, हर जगह पक्षपात साफ दिखता है। सीबीआई और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल केवल राजनीतिक विरोधियों को डराने के लिए हो रहा है। संसद में एक ही सत्र के भीतर 140 से ज्यादा सांसदों को सस्पेंड कर देना, पार्टियां तोड़ देना, चुनी हुई सरकारें अस्थिर करना, बिना किसी बहस के कृषि कानूनों जैसे बड़े नियम थोप देना और बाद में विरोध के डर से उन्हें वापस लेना - यह दिखाता है कि यहाँ बातचीत की जगह केवल एकतरफा फैसले लिए जा रहे हैं।

एक और बड़ी बात यह है कि नेहरू केवल एक प्रधानमंत्री नहीं थे। वे देश को आजाद कराने वाले एक बड़े क्रांतिकारी थे। उन्होंने अपनी जिंदगी के सबसे कीमती 9 साल अंग्रेजों की जेलों में काटे। अल्मोडा और अहमदनगर किला जैसी जेलों की अंधेरी कोठरियों में बैठकर उन्होंने डिस्कवरी ऑफ इंडिया जैसी महान किताबें लिखीं। उन्होंने लाठियां खाई और महात्मा गांधी के साथ मिलकर देश को आजादी दिलाई। उनकी यह कुर्बानी उन्हें एक ऐसा नैतिक बल देती थी जो केवल पीआर एजेंसियों या चुनाव जीतने से नहीं मिलता। राजनीति में अमर होने के लिए केवल सत्ता का घमंड काफी नहीं होता। इतिहास गवाह है कि जनता के दिलों पर राज करने के लिए संस्थाओं को मजबूत करना पड़ता है, उन्हें बौना नहीं बनाया जाता। जब पूरी राजनीति केवल एक चेहरे पर सिमट जाती है, तो सत्ता हटते ही उसका पतन तय है। यही वजह है कि 60 साल बाद भी नेहरू अमर हैं, जबकि आज की डराने वाली राजनीति भविष्य के इतिहास में केवल सत्ता के अहंकार के रूप में दर्ज होने की कगार पर खड़ी है, लेकिन सवाल वही है क्या मोदी नेहरू के बराबर हो जाएंगे क्या 60 साल बाद कोई याद करेगा?

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नर्मदापुरम के सबसे लंबे तवाब्रिज भारी वाहनों की एंट्री बंद

वैकल्पिक मार्ग पर बढ़ा ट्रैफिक दबाव, सुरक्षा की दृष्टि से बांद्राभान पुल देखने पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में तवा नदी पर बने 44 साल पुराने और जिले के सबसे लंबे पुल के तीन पिलरों के स्लैब में दरारें आने के बाद प्रशासन ने शनिवार से भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगा दी है पुल की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है और फिलहाल वाहनों को वैकल्पिक मार्ग से निकाला जा रहा है रेत मिट्टी और अन्य भारी सामान से लदे ट्रक-डंपरों को आरी, सांगाखेड़ा कला, बांद्राभान और घानाबढ़ मार्ग से डायवर्ट किया गया है इससे वैकल्पिक मार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ गया है रविवार को एमपीआरडीसी के डिवीजनल मैनेजर सियाराम अहिरवार यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा और सहायक महाप्रबंधक प्रवीण निमजे ने माखननगर से आरी सांगाखेड़ा होते हुए घानाबढ़ तक यातायात व्यवस्था का निरीक्षण किया बांद्राभान पुल की भी जांच अधिकारियों ने वैकल्पिक मार्ग पर बांद्राभान में तवा नदी पर बने पुल का भी निरीक्षण किया। टीम ने पुल के नीचे उतरकर पिलरों की स्थिति का जायजा लिया ताकि अगले कुछ दिनों तक भारी वाहनों का अतिरिक्त दबाव पड़ने से किसी प्रकार की समस्या न हो एमपीआरडीसी के डिवीजनल मैनेजर सियाराम अहिरवार ने बताया कि पिपरिया-नर्मदापुरम स्टेट हाईवे पर तवा नदी पर वर्ष 1982 में 1330 मीटर लंबा पुल बनाया गया था पुल के पिलर नंबर 52, 53 और 54 के स्लैब में दरारें पाई गई हैं। मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसे पूरा होने में करीब चार दिन लगेंगे उन्होंने बताया कि 15 जून को ब्रिज एक्सपर्ट टीम पुल का निरीक्षण करेगी सुरक्षा के मद्देनजर 16 जून की शाम 6 बजे तक पुल से भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। वैकल्पिक मार्ग पर स्थित पुलों की भी जांच की गई है और वे सुरक्षित स्थिति में पाए गए हैं तवा पुल पर बैरिकेडिंग, पुलिस तैनात स्टेट हाईवे पर तवा पुल के दोनों ओर बैरिकेडिंग कर यातायात पुलिस की तैनाती की गई है। पुलिस भारी वाहनों को रोककर उन्हें वैकल्पिक मार्ग से भेज रही है यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों से गुजरने वाले वैकल्पिक मार्गों पर अगले कुछ दिनों तक भारी वाहनों का दबाव रहेगा। ऐसे में आम नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है अवैध रेत परिवहन करते डंपर पर कार्रवाई तवा पुल में दरारें आने के बाद कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर शनिवार देर शाम खनिज राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की ग्राम आंचलखेड़ा (तहसील माखननगर) स्थित तवा पुल के पास अवैध रेत उत्खनन और परिवहन की शिकायत पर जांच की गई कार्रवाई के दौरान डंपर क्रमांक MP04HE5029 को जब्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। साथ ही तवा नदी क्षेत्र में रेत परिवहन के लिए बनाए गए संभावित अस्थायी मार्गों को भी बंद कर दिया गया है ताकि पुल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत प्रदाय किए गए मंगलसूत्र संबंधी वायरल वीडियो का तथ्यात्मक खंडन

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। प्लेटफॉर्म फेसबुक पर प्रसारित एक वीडियो में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रदान की गई उपहार सामग्री, विशेष रूप से मंगलसूत्र, की गुणवत्ता को लेकर भ्रामक एवं तथ्यहीन दावे किए जा रहे हैं। उक्त वीडियो 'अविनाश विश्वकर्मा' नामक अकाउंट से 'नारद वाणी' के लिए प्रकाशित किया गया है, जिसमें कुछ महिलाओं द्वारा यह दावा किया गया है कि उन्हें मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 10 फरवरी 2026 को चनवारीडांड, खड़गवां में आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में प्रदान किया गया मंगलसूत्र 'गिलेट' का था तथा इसकी सामग्री के विरुद्ध 15 हजार रुपये भुगतान किए जाने का भी दावा किया गया है इस संबंध में वस्तुस्थिति निम्नानुसार है:- 10 फरवरी 2026 को खड़गवां विकासखंड के चनवारीडांड में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत कुल 184 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रति कन्या 50,000 रुपये की स्वीकृत राशि के अनुसार लाभ प्रदान किया गया। योजनांतर्गत प्रत्येक कन्या के बैंक खाते में 35,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि आरटीजीएस के माध्यम से सीधे हस्तांतरित की गई। शेष 15,000 रुपये की राशि से सामूहिक विवाह आयोजन की व्यवस्थाएं एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई, जिसमें भवन किराया, भोजन एवं नाश्ता, टेंट, बैठक व्यवस्था, परिवहन, प्रमाण-पत्र तथा वर-वधु हेतु वस्त्र, जूते-चप्पल, चुनरी, साफा, मंगलसूत्र एवं अन्य श्रृंगार सामग्री शामिल थी यह उल्लेखनीय है कि महिला एवं बाल विकास विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के पत्र क्रमांक एफ-3-41/2012/मबावि/50 दिनांक 14 जनवरी 2013 के बिंदु 2.1 के अनुसार मंगलसूत्र में चांदी का होना अनिवार्य नहीं है। इसी कारण उपलब्ध वित्तीय सीमा एवं बाजार मूल्य को ध्यान में रखते हुए योजना के अंतर्गत कृत्रिम (आर्टिफिशियल) मंगलसूत्र क्रय कर हितग्राहियों को प्रदान किया गया था। बाद में प्रदायित मंगलसूत्रों की गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित फर्म के भुगतान से प्रति मंगलसूत्र 1,000 रुपये की कटौती की गई तथा यह राशि सीधे संबंधित वधुओं के बैंक खातों में हस्तांतरित कर दी गई। परिणामस्वरूप प्रत्येक पात्र कन्या को कुल 36,000 रुपये की प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्राप्त हुई, जबकि शेष राशि विवाह आयोजन एवं आवश्यक सामग्री पर नियमानुसार व्यय की गई।

महिला उद्यमियों को डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग का प्रशिक्षण

डिजिटल सशक्तिकरण से बाजार विस्तार और स्वरोजगार को मिलेगा नया आयाम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले की महिला उद्यमियों को डिजिटल तकनीक से जोड़कर उनके उत्पादों की बाजार पहुंच बढ़ाने और व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के उद्देश्य से नवा बिहान क्लस्टर में वर्कशॉप ऑन डिजिटल लिटरेसी (WDL) का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों की सदस्यों तथा महिला संचालित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयों को डिजिटल मार्केटिंग, ब्रांडिंग एवं बाजार विकास संबंधी व्यवहारिक जानकारी प्रदान करना था कार्यक्रम का शुभारंभ पीआरपी सु वसुंधरा यादव ने किया। उन्होंने कहा कि महिला उद्यमिता केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता का माध्यम नहीं है बल्कि सामाजिक एवं सामुदायिक विकास की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग में महिलाओं को तकनीकी ज्ञान एवं विपणन कौशल से लैस करना समय की आवश्यकता है, जिससे वे अपने उत्पादों को व्यापक बाजार तक पहुंच सकें। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को महिला उद्यमियों के लिए संचालित विभिन्न मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंट योजनाओं, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के मेलो तथा प्रदर्शनियों में भागीदारी की प्रक्रिया, उत्पादों की ब्रांडिंग, पैकेजिंग एंड लेबलिंग, गुणवत्ता प्रमाणन, बी-टू-बी एवं बी-टू-सी मार्केट लिंकेज, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से विपणन तथा विभिन्न सरकारी सहायता एवं अनुदान योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई विशेषज्ञों ने सफल महिला उद्यमियों के प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए व्यवसाय विस्तार, ग्राहक नेटवर्क विकसित करने तथा डिजिटल माध्यमों के प्रभावी उपयोग के संबंध में व्यावहारिक सुझाव साझा किए। साथ ही प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान कर उन्हें अपने उद्यम के लिए भविष्य की कार्ययोजना तैयार करने हेतु मार्गदर्शन भी दिया गया कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग 30 महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों की प्रतिनिधियों एवं महिला संचालित एमएसएमई इकाइयों ने सहभागिता की प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताते हुए ऐसे कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यशाला में एएफसी इंडिया लिमिटेड के आशीष सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे यह आयोजन RAMP कार्यक्रम के अंतर्गत CSIDC एवं AFC इंडिया लिमिटेड के सहयोग से संपन्न हुआ। अंत में सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों एवं अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

विदिशा के डायल-112 हीरोज प्रसूता महिला को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (निप्र)। विदिशा जिले के थाना हैदरगढ़ क्षेत्र में डायल-112 जवानों की संवेदनशीलता एवं त्वरित कार्यवाही से एक प्रसूता महिला को समय पर अस्पताल पहुँचाकर आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई गई। आपातकालीन स्थिति में मिली इस सहायता से महिला को समय पर उपचार मिल सका 13 जून को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना हैदरगढ़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोलुआ जागीर में एक महिला की घर पर डिलीवरी हो चुकी है तथा उसे तत्काल चिकित्सकीय उपचार की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही थाना हैदरगढ़ क्षेत्र में तैनात डायल-112 वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया डायल-112 टीम के सउनि घनश्याम शास्ता एवं आरक्षक रूपेश कुर्मी मौके पर पहुँचे और प्रसूता महिला को सुरक्षित डायल 112 वाहन से तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) हैदरगढ़ पहुँचाया। डायल-112 जवानों की तत्परता एवं मानवीय संवेदनशीलता के कारण प्रसूता महिला को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सकी डायल-112 हीरोज श्रृंखला की यह घटना दर्शाती है कि डायल-112 सेवा केवल आपातकालीन सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ नागरिकों के जीवन एवं स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए हर परिस्थिति में सहायता पहुँचाने का कार्य निरंतर कर रही है।

नर्मदापुरम में नरवाई जलाने पर एक्शन,3 किसानों पर 2500-2500 रुपए जुर्माना कृषि व राजस्व विभाग कर रहा निगरानी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में मूंग की फसल की कटाई शुरू होने के साथ ही खेतों में नरवाई (फसल अवशेष) जलाने के मामले भी सामने आने लगे हैं। प्रशासन ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए माखननगर ब्लॉक के आंचलखेड़ा गांव में नरवाई जलाने वाले 3 किसानों पर 2500-2500 रुपए का जुर्माना लगाया है नर्मदापुरम एसडीएम द्वारा संबंधित किसानों की जानकारी जुटाकर नियमानुसार यह दंडात्मक कार्रवाई की गई है प्रशासन की सख्ती और जुर्माने की कार्रवाई के बावजूद कुछ जगहों पर नरवाई जलाने का सिलसिला जारी है। शनिवार को नर्मदापुरम के पवारखेड़ा बायपास स्थित दो-तीन खेतों में भी कटाई के बाद नरवाई में आग लगाई गई। प्रशासन अब ऐसे अन्य मामलों में भी जानकारी जुटाकर जिम्मेदारों पर कार्रवाई कर रहा है।

कृषि और राजस्व अमले की सतत निगरानी: खेतों में नरवाई जलाने की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कृषि और राजस्व विभाग की टीमें फील्ड स्तर पर सतत निगरानी कर रही हैं जिला प्रशासन द्वारा किसानों को नरवाई जलाने से पर्यावरण और मिट्टी को होने वाले नुकसान के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही, किसानों को नरवाई प्रबंधन की आधुनिक तकनीकों और वैकल्पिक उपायों के बारे में भी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

प्रशासन की अपील- भूमि की उर्वरता बचाएं: जिला प्रशासन ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे किसी भी स्थिति में खेतों में नरवाई न जलाएं प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नरवाई जलाने से न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है बल्कि मिट्टी के मित्र कीट नष्ट होने से कृषि भूमि की उर्वरता भी कम हो जाती है। प्रशासन ने किसानों को पर्यावरण संरक्षण के लिए फसल अवशेषों के सुरक्षित निपटान के तरीके अपनाने की सलाह दी है।

सामुदायिक सुरक्षा शिविरों में पुलिस की नई पहल : सुरक्षा के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार एवं कौशल विकास को मिल रही मजबूत आधारशिला

मीडिया ऑडीटर, भोपाल, (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा चलाए जा रहे सृजन बालिका सुरक्षा महासम्मेलन ने सामुदायिक पुलिसिंग की अवधारणा को एक नए और व्यापक स्वरूप में प्रस्तुत किया है यह पहल केवल कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण तक सीमित न रहकर अब बच्चों और किशोरों के समग्र विकास का माध्यम बनती जा रही है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी को सुरक्षित वातावरण के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मनिर्भर और जागरूक नागरिक बन सकें महासम्मेलन के दौरान आरकेडीएफ मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। संस्थान के लगभग 30 विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने 300 से अधिक किशोर-किशोरियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ किशोर स्वास्थ्य, पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, एनीमिया, व्यक्तिगत स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर विस्तृत परामर्श प्रदान किया गया विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विद्यार्थियों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के महत्व के बारे में जागरूक किया। इसके साथ ही उन्हें नशे से दूरी बनाए रखने, सोशल मीडिया और स्क्रीन टाइम के संतुलित उपयोग तथा तनाव प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी मार्गदर्शन दिया गया। बालिकाओं और बालकों को यह प्रेरित किया गया कि वे किसी भी स्वास्थ्य समस्या को छिपाने के बजाय अपने अभिभावकों और चिकित्सकों से खुलकर चर्चा करें कार्यक्रम में शिक्षा और रोजगार के अवसरों को भी प्रमुखता दी गई आईटीआई, कौशल विकास संस्थानों और रोजगार मार्गदर्शन विशेषज्ञों द्वारा विशेष करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए गए इनमें विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकी एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, स्वरोजगार के अवसरों, स्टार्टअप संभावनाओं और सरकारी कौशल विकास योजनाओं की जानकारी दी गई साथ ही छात्रों को उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चयन के लिए व्यक्तिगत मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया अधिकारियों ने बताया कि सामुदायिक पुलिसिंग का उद्देश्य केवल सुरक्षा सुनिश्चित करना नहीं बल्कि समाज के युवाओं को सशक्त बनाना भी है स्वास्थ्य शिक्षा और कौशल विकास को एक ही मंच पर जोड़कर यह प्रयास एक समग्र सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है यह महासम्मेलन इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि बच्चों और युवाओं का सुरक्षित, स्वस्थ और आत्मनिर्भर भविष्य केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि समाज, संस्थानों और नागरिकों की सामूहिक भागीदारी से ही संभव है सृजन अभियान अब एक सुरक्षा कार्यक्रम से आगे बढ़कर एक सामाजिक आंदोलन का स्वरूप लेता दिखाई दे रहा है।

एमसीबी जिले में जल संरक्षण का मॉडल तैयार,मनरेगा से 504 कंटूर ट्रेंच का निर्माण, होगा लाखों लीटर बारिश के पानी का संरक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जल संकट से निपटने के लिए एमसीबी जिले की ग्राम पंचायत लोहारी ने मनरेगा के तहत जल संरक्षण का बड़ा अभियान शुरू किया है गर्मी में सूखते जलस्त्रोतों और गिरते भूजल स्तर को देखते हुए पंचायत ने ऐसी संरचनाएं तैयार की हैं जिनसे बारिश के पानी को रोककर जमीन के भीतर पहुंचाया जा सके मनरेगा योजना के तहत ग्राम पंचायत लोहारी में 504 कंटूर ट्रेंच बनाए गए हैं इन संरचनाओं के जरिए करीब दो लाख लीटर पानी को संरक्षित करने की क्षमता विकसित होने की उम्मीद है इसका उद्देश्य बारिश के पानी को बहकर बर्बाद होने से रोकना है एक लाख लीटर पानी रोकने की अतिरिक्त व्यवस्था पंचायत द्वारा अर्दन गुलीपलक निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है। इसके माध्यम से करीब एक लाख लीटर पानी रोकने की व्यवस्था तैयार की जा रही है इससे बारिश का पानी धीरे-धीरे जमीन में समाएगा और भूजल स्तर बढ़ाने में मदद मिलेगी गर्मी में होती है पानी की परेशानी गांव के निवासी राम सजीवन साहू ने बताया कि लोहारी और आसपास के पहाड़ी इलाकों में गर्मी के दिनों में पानी की काफी समस्या होती है कई प्राकृतिक जलस्त्रोत सूख जाते हैं जिससे लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है जल संरक्षण से मिलेगी राहत ग्राम पंचायत लोहारी के सरपंच मोती सिंह ने बताया कि जल संरक्षण अभियान से प्रेरित होकर यह काम शुरू किया गया है उनका मानना है कि यदि बारिश के पानी को सही तरीके से सहेजा जाए, तो आने वाले समय में जल संकट को काफी हद तक कम किया जा सकता है जिलेभर में चल रहे जल संरक्षण कार्य एमसीबी कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने कहा कि जल संरक्षण प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है। जिले में मनरेगा के तहत डबरी, कुएं, तालाब गहरीकरण, सामुदायिक तालाब और वाटर रिचार्ज जैसे कार्य लगातार कराए जा रहे हैं उनका कहना है कि बारिश की हर बूंद को बचाने का यह प्रयास भविष्य में जल संकट से राहत दिलाने में मददगार साबित होगा।

पूरनखेड़ी के पास कैंटर-ट्रैक्टर टक्कर में बड़ा हादसा टला अशोकनगर से बांस ले जा रहा ट्रैक्टर तीन हिस्सों में टूटा

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की लुकवासा चौकी अंतर्गत पूरनखेड़ी के पास रविवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-46 पर एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। अशोकनगर से बांस लेकर जा रहे एक ट्रैक्टर को आयशर कैंटर ने टक्कर मार दी जिससे ट्रैक्टर तीन हिस्सों में बंट गया गनीमत रही कि इस घटना में किसी को चोट नहीं आई जानकारी के अनुसार ट्रैक्टर अशोकनगर से बांस भरकर बीरखेड़ी की ओर जा रहा था इसी दौरान शिवपुरी की ओर से आ रही मिर्च से लदी आयशर कैंटर ने ट्रैक्टर में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उस पर लदा बांस सड़क पर बिखर गया हादसे के बाद कैंटर ड्राइवर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सड़क पर बांस फैल जाने के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित हुआ और जाम की स्थिति बन गई बाद में स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से रास्ता साफ कराया गया बताया जा रहा है कि पूरनखेड़ी के पास नव निर्मित ब्रिज के निर्माण कार्य के चलते इस हिस्से में फिलहाल एकांकी मार्ग (सिंगल लेन) से यातायात संचालित किया जा रहा है सड़क संकरी होने के कारण यहां लगातार दुर्घटना की आशंका बनी रहती है क्षेत्रीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्रबंधन से एकांकी मार्ग को जल्द चौड़ा करने की मांग की उनका कहना है कि बरसात का मौसम शुरू होने वाला है और यदि समय रहते आवश्यक सुधार नहीं किए गए तो भविष्य में गंभीर सड़क हादसे हो सकते हैं।

रायसेन में प्री मानसून मेहरबान, तापमान 7 डिग्री गिरा आंधी-तूफान के साथ डेढ़ घंटे हुई तेज बारिश

मीडिया ऑडीटर,रायसेन (निप्र)। रायसेन में मानसून से पहले प्री-मानसून गतिविधियां लगातार असर दिखा रही हैं। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 1 बजे तेज आंधी, गरज-चमक और बारिश का दौर शुरू हुआ। बारिश करीब डेढ़ घंटे तक जारी रही। इसे इस सीजन की अब तक की सबसे तेज और लंबी बारिश माना जा रहा है।

सड़कों पर बहा पानी, गर्मी से राहत मिली: तेज बारिश के कारण शहर की कई सड़कों पर पानी बहने लगा। लगातार बनी उमस और गर्मी से लोगों को बड़ी राहत मिली। बारिश के बाद पूरे जिले का मौसम सुहावना हो गया और ठंडी हवाएं चलने लगीं। रविवार सुबह भी वातावरण में ठंडक महसूस की गई।

तापमान में 7 डिग्री की गिरावट: मौसम में आए बदलाव का असर तापमान पर भी दिखाई दिया। शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। शनिवार रात हुई बारिश के बाद तापमान में करीब 7 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई और रविवार तक अधिकतम तापमान घटकर 36 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया।

अगले 4 दिन ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान

अगले चार दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश में सक्रिय ट्रफ लाइन और प्री-मानसून सिस्टम के प्रभाव से अगले चार दिनों तक मौसम का मिजाज इसी तरह बना रह सकता है। विभाग ने कई क्षेत्रों में गरज-चमक, तेज हवाओं और बारिश की संभावना जताई है।

15 से 20 जून के बीच मानसून की संभावना

मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस वर्ष मध्य प्रदेश में मानसून की एंट्री 15 से 20 जून के बीच हो सकती है। इससे पहले प्री-मानसून गतिविधियां लगातार सक्रिय रहने के संकेत मिल रहे हैं।यह बारिश किसानों के लिए भी राहत लेकर आई है। खेतों में नमी बढ़ने से खरीफ सीजन की तैयारियों को गति मिलेगी और किसानों को बुवाई की तैयारी में मदद मिलेगी।

हिल स्टेशन पचमढ़ी में आधा घंटे तेज बारिश: आधे घंटे में सुहाना हुआ मौसम

मीडिया ऑडीटर,पिपरिया, (निप्र)। प्रदेश के एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी में शनिवार शाम को मौसम का मिजाज अचानक बदला। तेज ठंडी हवाओं के साथ करीब आधे घंटे तक हुई झमाझम बारिश ने पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों को बड़ी राहत दी है। पचमढ़ी के साथ-साथ पिपरिया और इसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी हल्की बारिश दर्ज की गई है, जिससे पूरे क्षेत्र के तापमान में भारी गिरावट आई है।

आधे घंटे की बारिश से भीगा पचमढ़ी: पचमढ़ी में शनिवार शाम को अचानक आसमान में काले बादल छा गए और देखते ही देखते तेज बौछारें पड़ने लगीं। छावनी के पूर्व पार्षद सुनील कोरी ने जानकारी दी कि लगभग आधे घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई, जिसने शहर को तरबतर कर दिया। तेज बारिश थमने के बाद भी काफी देर तक पचमढ़ी में रिमझिम बूंदाबांदी का दौर चलता रहा, जिससे मौसम बेहद खुशनुमा हो गया।

सुहाने मौसम का लुत्फ उठाने निकले पर्यटक: बारिश होने से पचमढ़ी घूमने आए सैलानियों के चेहरे खिल उठे। ठंडक बढ़ते ही पर्यटक अपने वाहनों से प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के लिए निकल पड़े। शाम के समय पचमढ़ी बस स्टैंड, कैंट एरिया, राजभवन, जटाशंकर और पांडव गुफा पार्क जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भारी चहल-पहल और रौनक देखने को मिली।

बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार आपदा प्रबंधन, अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने और सुरक्षात्मक उपायों के लिए कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 138 में बाढ़ नियंत्रण कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07562-226470 है। यह कंट्रोल रूम वर्षाकालीन अवधि में 15 जून से 15 अक्टूबर 2026 तक 24 घंटे सक्रिय रहेगा। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार कंट्रोल रूम के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जारी आदेशानुसार बाढ़ नियंत्रण के समय जिला स्तर पर संयुक्त कलेक्टर श्री रविंद्र परमार (मो. 8295409698), तहसीलदार भूसंसाधन प्रबंधन श्री विजय सराठिया (मो. 9827594558) और नायब तहसीलदार श्री सत्यनारायण मालवीय (मो. 8966995414) से संपर्क किया जा सकता है।

योग दिवस पर विश्वविद्यालयों व कॉलेजों में किया जाएगा सामूहिक योग कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में सामूहिक योग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुसार योग दिवस पर होने वाले आयोजनों में विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी ताकि अधिकतम लोग योगाभ्यास से जुड़ सकें। कार्यक्रम की पूर्व तैयारी के तहत 19 जून 2026 को विद्यार्थियों को प्रशिक्षित योग शिक्षकों के माध्यम से योगाभ्यास का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे 21 जून के सामूहिक आयोजन में अभ्यास व्यवस्थित तरीके से कराया जा सके। योग दिवस कार्यक्रम में शामिल प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।

पार्क में बच्चों ने की मौजमस्ती, युवा टहले, वृद्ध सुकून से बैठे

मीडिया ऑडीटर,रहली (निप्र)। बच्चों को मौजमस्ती करने, युवाओं को टहलने व वृद्धों को सुकून से बैठने नगर में पार्कों की कमी थी लेकिन अटल सेतु के पास अटल सेतु पार्क का निर्माण होते ही उसमें आम लोगों का प्रवेश होते ही यह कमी दूर हो गई है। शुक्रवार से पार्क में सभी का प्रवेश शुरू हुआ, जहां पर पहुंचकर बच्चों ने जी-भरकर मौजमस्ती की। युवा टहलते रहे तो वृद्ध सुकून से बैठे रहे। कई बच्चे परिजन के साथ पहुंचे, जिससे पार्क में भीड़ रही। दरअसल हाई स्कूल के पास स्थित गुणाकर पार्क बेहद छोटा है तो महाराणा प्रताप पार्क में बच्चों को खेलने की सुविधा नहीं है। जिस कारण नपा द्वारा अटल सेतु के पास 50 लाख रुपए की लागत से पार्क का निर्माण कराया है, जिसका उद्घाटन 25 दिसंबर को हुआ था लेकिन पार्क में रोपे पौधों की देखरेख के कारण पार्क आम लोगों के लिए नहीं खोला गया। जिस कारण ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों व अभिभावकों को पार्कों की कमी बेहद खली। बच्चे पार्क खुलने के इंतजार में सुबह-शाम चक्कर लगाते रहे तथा यहां पर लगे चकरी-झूलों को बाहर से ही निहारते रहे। शुक्रवार को पार्क खुलते ही बच्चों पार्क में लगी झूला-चकरी पर मौजमस्ती करते मिले। अभिभावकों से नगर में इस तरह के पार्क के निर्माण की सराहना की है।

17 वर्षीय किशोरी को प्री-मैच्योर डिलीवरी, रेप का खुलासा :नाबालिग आदिवासी बकरी चराने जाती थी, आरोपी चाय बेचने वाला, जेल गया

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा में एक 17 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया हैं। खुलासा तब हुआ जब पेट में पीड़ादायक दर्द होने पर परिवार वाले नाबालिग बेटी को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां प्री-मैच्योर डिलीवरी हो गई। यानी, 5-6 महीने का गर्भ ठहरा हुआ था। अस्पताल के टायलेट में ही भ्रूण गिर गया। इसकी सूचना अस्पताल स्टाफ को मिली तो सभी दंग रह गए। घटना थाना छैगांवमाखन क्षेत्र के एक गांव की हैं। जहां आदिवासी समाज की बालिका के साथ गांव के ही रहने वाले एक युवक ने दरिंदगी की थी। अस्पताल में प्री-मेच्योर डिलीवरी के बाद मृत हालात में पैदा हुए नवजात शिशु को दफन किया गया। वहीं डॉक्टर ने इस बारे में पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और नाबालिग सहित उसके परिजनों से पूछताछ की। इस दौरान नाबालिग ने गर्भ ठहरने के पीछे खुद के साथ दरिंदगी होना बताया।

आरोपी युवक चाय बेचने वाला, जेल गया: 17 वर्षीय किशोरी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि यह पाप करने वाला गांव में उसी के मोहल्ले में रहने वाला गणेश तंवर हैं। गणेश की गांव में एक चाय की दुकान हैं। वह अपने पिता की दुकान संभालता था। गांव में उसकी हरकतें मनचले की तरह थी। पीड़िता ने बताया कि, वह आदिवासी समाज की होकर बकरी चराने का काम करती थी। आरोपी उसका पीछा करता था और इस बहाने दोस्ती का वादा किया। फिर उसने मेरे साथ कई बार खेत, जंगल और घर पर रेप किया। 5-6 महीने पहले भी ऐसा ही हुआ था। उसके बाद उसे कब गर्भ ठहर गया, इसका एहसास तक नहीं हुआ। इधर, छैगांवमाखन पुलिस ने शनिवार को शिकायत मिलने के बाद आरोपी गणेश पिता राजू तंवर (21) को तत्काल गिरफ्तार किया और कोर्ट में पेश कर दिया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया हैं। वहीं छैगांवमाखन पुलिस ने इस मामले की इन्वेस्टिगेशन आजाक थाना (एट्रोसिटी) पुलिस को सौंप दी हैं। आजाक थाना पुलिस ने डायरी मिलने के बाद जांच शुरू कर दी हैं।

पेड़ से गिरे बुजुर्ग, चेहरे पर गंभीर चोट: छतरपुर में आम तोड़ने चढ़े थे, अचानक टूटी डाली

मीडिया ऑडीटर,छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के देवपुर गांव में शनिवार को आम तोड़ते समय एक 60 वर्षीय वृद्ध पेड़ से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। डाल टूटने के कारण वे करीब 10-15 फीट नीचे जमीन पर गिरे, जिससे उनके चेहरे पर पत्थर लगने से गहरी चोट आई। देवपुर निवासी मिहीलाल यादव (60) आम के पेड़ पर चढ़कर फल तोड़ रहे थे। इसी दौरान जिस डाल पर वे खड़े थे, वह अचानक टूट गई। संतुलन बिगड़ने से मिहीलाल नीचे गिर गए और जमीन पर पड़े एक पत्थर से उनकी नाक और आंख के बीच गंभीर चोट लग गई, जिससे काफी खून बहने लगा।

ग्रामीणों ने अस्पताल पहुंचाया: घटना के तुरंत बाद, मौके पर मौजूद परिजनों और ग्रामीणों ने मिहीलाल को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार, चोट चेहरे पर गंभीर थी, जिसके चलते नाक के ऊपर आधा दर्जन से अधिक टांके लगाने पड़े। डॉक्टरों ने बताया कि यह सौभाग्य रहा कि पत्थर की चोट अधिक गहराई तक नहीं पहुंची, अन्यथा आंख या सिर में गंभीर चोट लगने से जान का खतरा भी हो सकता था। प्राथमिक उपचार के बाद, मिहीलाल को तीन घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखा गया। हालत स्थिर होने पर उन्हें घर भेज दिया गया।

बुधनी में 0.82 इंच सर्वाधिक प्री-मानसून बारिश

सीहोर शहर में 0.59 इंच, भेरूंदा में 0.35 इंच और रेहटी में 0.23 इंच वर्षा

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसून की दस्तक से पहले प्री-मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। बीते 24 घंटों के दौरान जिले के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जिससे लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली है। जिले में सबसे अधिक वर्षा बुधनी में रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बुधनी में 0.82 इंच बारिश दर्ज की गई, जो जिले में सर्वाधिक रही। वहीं, सीहोर शहर में 0.59 इंच, भेरूंदा में 0.35 इंच और रेहटी में 0.23 इंच वर्षा दर्ज की गई। इससे पहले सोमवार को सीहोर शहर में 1.41 इंच और 7 जून को भेरूंदा में 2.51 इंच से अधिक बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

इस वजह से बदला मौसम: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अरब सागर से आ रही नमी युक्त हवाओं के कारण एक मजबूत वेदर सिस्टम सक्रिय हुआ है। इसके अलावा, ट्रफ लाइन और कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से हवाओं का रुख बदला है। स्थानीय स्तर पर अत्यधिक गर्मी के बाद बने इस सिस्टम के कारण जिले में गरज-चमक के साथ प्री-मानसून गतिविधियां तेज हुई हैं। बारिश के बाद जिले के तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इससे पिछले कई सप्ताह से भीषण गर्मी और लू का सामना कर रहे लोगों को राहत मिली है। मौसम सुहाना होने से आमजन ने भी राहत महसूस की है। किसानों के लिए भी यह बारिश महत्वपूर्ण मानी जा रही है। खरीफ सीजन की फसलें, विशेषकर सोयाबीन और मक्का की बुवाई से पहले खेतों की तैयारी के लिए यह समय उपयुक्त होता है। बारिश से मिट्टी में नमी बढ़ने के कारण खेत तैयार करने में सुविधा होगी।

15 से 20 जून के बीच मानसून दे सकता है दस्तक: मौसम केंद्र के अनुसार, केरल और महाराष्ट्र के रास्ते आगे बढ़ रहा मानसून तेजी से मध्य प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। यदि परिस्थितियां अनुकूल रहीं, तो 15 से 20 जून के बीच मानसून के प्रदेश में प्रवेश करने की संभावना है। इसके बाद 18 से 22 जून के बीच सीहोर जिला भी पूरी तरह मानसून की जद में आ सकता है। मौसम विभाग ने आगामी दो से तीन दिनों तक जिले में इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है। कुछ स्थानों पर तेज हवाओं और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका भी व्यक्त की गई है। विभाग ने लोगों से गरज-चमक के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

खंडवा में कॉलेज स्टूडेंट ने फांसी लगाकर दी जान नामी पटेल परिवार का इकलौता वारिस था

मीडिया ऑडीटर, खंडवा, (निप्र)। खंडवा में एक कॉलेज स्टूडेंट ने फांसी लगाकर जान दे दी है। घटना छैगांवमाखन थाना क्षेत्र के ग्राम कोंडावद की है। जहां नामी पटेल परिवार के 20 वर्षीय युवक ने आत्महत्या का कदम उठा लिया। फिलहाल सुसाइड के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। मृतक छात्र के अंतिम संस्कार में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और परिवार को ढांढ़स बंधाया। जानकारी के अनुसार, मृतक गणेश पिता लक्ष्मण पटेल (20) ने शनिवार सुबह सुसाइड किया हैं। शव गांव के बाहर बने उनके मकान में फंदे से लटका मिला है। एक दोस्त ने गणेश को ढूढ़ने की कोशिश की, वह बाड़े में स्थित जिस मकान में रात को सोता था, वहां देखा तो गणेश फंदे पर झूल रहा था। दोस्त ने परिवार वालों को जानकारी दी। मौके पर पहुंची

छैगांवमाखन पुलिस ने फंदे से शव उतारकर फॉरेंसिक जांच कराई। पुलिस को कोई सुसाइड नहीं मिला हैं।

पिता का निधन, मामा के घर रहता था छात्र: कोंडावद निवासी गणेश पटेल के पिता लक्ष्मण पटेल का 20 साल पहले निधन हो चुका हैं। पिता की मौत के बाद मां टूट चुकी थी। वह मासूम बेटे गणेश को लेकर मायके चली गई। तब से (करीब 20 साल) दोनों मां-बेटे मामा के घर ग्राम रोजड़ी में रहते थे। इसी साल फरवरी महीने में परिवार में शादी थी। शादी समारोह में शामिल होने के लिए आए मां-बेटे ने गांव में ही रहने का निर्णय लिया। तब से दोनों यहीं रहने लगे। हालांकि, फिर भी गणेश का मामा के यहां आना-जाना लगा रहा। चार दिन पहले ही वह मामा के घर से लौटा था।

दादा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, 70 एकड़ जमीन: मिली जानकारी के अनुसार, गणेश के दादा सेवकराम पटेल बड़े किसान और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। उनका राजनीति में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के समय से नाम चला आ रहा है। सेवकराम पटेल के पास करीब 70 एकड़ जमीन है। उनके चार बेटे हैं, जिनमें मृतक गणेश के पिता लक्ष्मण सबसे छोटे थे। इधर, गणेश के मामा पक्ष ने पैतृक जमीन का विवाद होना बताया हैं। बताते हैं कि, पैतृक जमीन का बंटवारा होना बाकी था।

खंडवा में 5 दिन में दूसरे तेंदुए की मौत:चांदगढ़ रेंज में अज्ञात वाहन की टक्कर से गई जान

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)।। खंडवा जिले के चांदगढ़ वन परिक्षेत्र में शनिवार रात अज्ञात वाहन की टक्कर से एक वयस्क तेंदुए की मौत हो गई। पुनासा-सतवास (खंडवा-भोपाल हाईवे) मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास सड़क पार करते समय यह हादसा हुआ। पिछले 5 दिनों के भीतर इसी रेंज में तेंदुए की मौत की यह दूसरी घटना है, जिससे वन विभाग में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और शव को अपने कब्जे में लेकर सुरक्षित रखवाया। अधिकारी देर रात तक मौके पर मौजूद रहे। वन विभाग के अनुसार, इंदौर से विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम बुलाई गई है।

क्रेडिट कार्ड आवेदन संग्रहण में मध्यप्रदेश देश में द्वितीय स्थान पर; नगरीय निकायों में अभियान जारी

पात्रता एवं आवश्यक अभिलेखों के संबंध में दिशा-निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत पथ विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स) के आर्थिक सुदृढ़ीकरण एवं वित्तीय समावेशन के लिए प्रदेश में प्रयास निरंतर जारी हैं। योजना के अंतर्गत क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन पत्र संग्रहण में मध्यप्रदेश ने देश में द्वितीय स्थान प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है। प्रदेश में अब तक 10 हजार से अधिक क्रेडिट कार्ड आवेदन विभिन्न बैंकों को प्रेषित किए जा चुके हैं, जिनमें से बैंकों द्वारा 900 से अधिक आवेदनों का सफलतापूर्वक सत्यापन कर 500 से अधिक क्रेडिट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। योजना अंतर्गत क्रेडिट कार्ड सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए विभाग द्वारा पात्रता मापदंड निर्धारित किए गए हैं। इसमें वे समस्त शहरी पथ विक्रेता पात्र होंगे, जिन्होंने अपने ऋण की द्वितीय किश्त का सफलतापूर्वक पुनर्भुगतान कर दिया है तथा वे तृतीय किश्त के लिए अर्हता रखते हैं।

इसके अतिरिक्त, वे वेंडर्स भी इस सुविधा के पात्र होंगे जिन्होंने पूर्व में ही तृतीय किश्त का ऋण प्राप्त कर लिया है—उनका ऋण खाता वर्तमान में सक्रिय हो अथवा पूर्णतः जमा हो चुका हो। आवेदन की तिथि को आवेदक की आयु 21 से 65 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है। यह क्रेडिट कार्ड सुविधा तृतीय किश्त के ऋण के अतिरिक्त देय होगी, जिससे हितग्राही अपनी पात्रता एवं प्राथमिकता के आधार पर ऋण, क्रेडिट कार्ड अथवा दोनों सुविधाओं का संयुक्त लाभ प्राप्त कर सकेंगे। वित्तीय नियमों के अनुरूप, आवेदक का किसी भी वित्तीय संस्था में कोई निष्पादित परिसंपत्ति खाता नहीं होना चाहिए, यद्यपि एसएमए-0 (स्मॉ-0) श्रेणी के खातों पर बैंकों द्वारा विचार किया जा सकेगा तथा इसके लिए न्यूनतम क्रेडिट ब्यूरो स्कोर की कोई बाध्यता नहीं होगी।

क्रेडिट कार्ड सुविधा का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदकों को सक्षम स्तर पर निर्धारित अभिलेख एवं दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। इसके अंतर्गत हितग्राहियों को अपने आवेदन के साथ आधार कार्ड, पैन कार्ड तथा सक्रिय बचत बैंक खाते का विवरण संलग्न करना अनिवार्य होगा। पथ विक्रेता होने के प्रामाणिक साक्ष्य के रूप में शहरी स्थानीय निकायों (ULB) अथवा ब्लॉक कार्यालयों द्वारा निर्गत वेंडिंग सर्टिफिकेट (प्रमाण पत्र), सिफारिश पत्र (LOR) अथवा विभागीय पहचान पत्र मान्य किया जाएगा।

यदि आवेदक का वर्तमान निवास स्थान उसके आधार कार्ड में अंकित पते से भिन्न है, तो उसे वर्तमान पते का वैध साक्ष्य भी प्रस्तुत करना होगा। स्वनिधि महोत्सवों एवं विभिन्न मेलों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर शिविर आयोजित कर पात्र हितग्राहियों के आवेदन पत्र बैंकों को प्रेषित करने तथा क्रेडिट कार्ड वितरण की प्रक्रिया को और अधिक तीव्र करने के निर्देश समस्त नगरीय निकायों को दिए गए हैं जिससे अंतिम छोर के वेंडर्स को त्वरित आर्थिक लाभ मिल सके।

हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा में बेटियों ने मारी बाजी माध्यमिक शिक्षा मंडल ने हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष 2026 का परिणाम घोषित

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। माध्यमिक शिक्षा मंडल, मध्यप्रदेश की हायर सेकंडरी द्वितीय परीक्षा वर्ष-2026 का नियमित एवं स्वाध्यायी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम शुक्रवार को शाम 4 बजे घोषित कर दिया गया। इसमें बेटियों ने बाजी मारी है। इस परीक्षा में 62.31 प्रतिशत नियमित छात्राएं उत्तीर्ण हुई हैं , जबकि 57.36 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। विद्यार्थी परीक्षा परिणाम मंडल की आधिकारिक वेबसाइट mpbse.mponline.gov.in पर जाकर देख सकते हैं। हायर सेकंडरी की द्वितीय परीक्षा में प्रदेश से 1 लाख 42 हजार 468 नियमित विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा था। इसमें से 1 लाख 42 हजार 467 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे। शुक्रवार 12 जून को घोषित हुए परीक्षा परिणाम में 84 हजार 871 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए।

33 हजार 334 स्वाध्यायी विद्यार्थियों ने भरा था फॉर्म: हायर सेकंडरी की द्वितीय परीक्षा में 33 हजार 334 स्वाध्यायी विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा था। परीक्षा में 33 हजार 315 विद्यार्थी शामिल हुए थे। इनमें 14 हजार 24 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। स्वाध्यायी विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम 42.10 प्रतिशत है। इसमें बेटियों के पास होने का प्रतिशत 44.7 है।

मंदसौर में महिला पर चाकू से हमला सीने पर लगे पांच टांके

रास्ते के विवाद में दो पक्ष भिड़े

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले के सेतखेड़ी गांव में शनिवार रात खेत तक जाने के रास्ते को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। विवाद के दौरान एक महिला पर चाकू से हमला कर दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। नई आबादी थ3ना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रास्ते को लेकर हुआ विवाद: जानकारी के अनुसार, रामनिवास कुमावत अपनी पत्नी चंदाबाई, बेटी श्रद्धा, पुत्र हर्षित और माता प्रतापबाई के साथ खेत पर काम कर रहे थे। खेतों का बंटवारा पहले ही हो चुका है, लेकिन खेत तक पहुंचने का रास्ता सरकारी भूमि से होकर गुजरता है। इसी रास्ते को लेकर दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। रामनिवास के मुताबिक, शनिवार रात उनके सगे चाचा रामेश्वर अपने बेटों भगवतीलाल और संतोष, पत्नी ललिताबाई तथा भगवतीलाल की पत्नी कांतिबाई के साथ जेसीबी मशीन लेकर खेत पर पहुंचे। वे पाइपलाइन के लिए खुदाई कराने की तैयारी कर रहे थे। रामनिवास ने जेसीबी चालक को खुदाई करने से मना किया, जिसके बाद चालक मशीन लेकर वहां से चला गया।

सीने में पांच टांके आए: आरोप है कि कुछ देर बाद रामेश्वर अपने परिवार के सदस्यों के साथ दोबारा खेत पर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए विवाद शुरू कर दिया। रामनिवास ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन विवाद बढ़ गया। इसी दौरान आरोपियों ने रामनिवास की पत्नी चंदाबाई पर चाकू से हमला कर दिया। चाकू का वार उनके सीने पर लगा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि विवाद के दौरान रामनिवास की माता प्रतापबाई के साथ भी मारपीट की गई। रामनिवास के साथ हाथापाई हुई और उनकी बेटी श्रद्धा को थप्पड़ मारकर चोट पहुंचाई गई।

पुलिस ने केस दर्ज किया: घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। चंदाबाई के सीने पर चिकित्सकों ने करीब पांच टांके लगाए हैं। उनका उपचार जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में जारी है। नई आबादी थाना पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कप्तान शुभमन गिल का शानदार अर्धशतक भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

धर्मशाला एजेंसी। धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारत और अफगानिस्तान बीच खेले गये पहले एक दिवसीय मैच में कप्तान शुभमन गिल के अर्धशतक की बदौलत भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर शानदार जीत हासिल की। इस मैच में अफगानिस्तान ने भारतीय टीम को जीत के लिए 195 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे भारतीय टीम ने 13 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। भारतीय टीम की ओर से सर्वाधिक रन कप्तान शुभमन गिल ने बनाये। गिल ने अपनी 66 गेदों खेलते हुए 11 चौके और 2 छक्कों की सहायता से नाबाद 84 रन। बारिश के चलते यह मैच 25-25 ओवरों का किया गया था।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने मिलकर पहले विकेट के लिए 46 रनों की साझेदारी। रोहित दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुए। रोहित ने 2 चौके और एक छक्के की सहायता से 16 बॉल पर 16 रन बना। इसके बाद ईशान किशन के साथ शुभमन गिल ने 70 रनों की साझेदारी की और भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ईशान 34 रनों के निजी स्कोर पर राशिद खान की गेंद पर बोल्ड हो गये।

श्रेयस अय्यर कुछ खास नहीं कर पाए और वह महज 12 रन बना सके। श्रेयस को जियाउर रहमान शरीफी ने मोहम्म्द सलीम के हाथ केच आउट किया। इसक बाद शुभमन गिल और केएल राहुल ने अफगानिस्तान को कोई मौका नहीं दिया। शुभमन ने 66 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाए वहीं राहुल ने 4 चौके और तीन छक्के की मदद से 19 बॉल पर 39 रनों का योगदान दिया। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। पावरप्ले में ही अफगानिस्तान टीम ने 26 रनों के स्कोर तक तीन विकेट खो दिए। डेब्यूटेंट तेज गेंदबाज गुरनूर बरार ने इब्राहिम जादरान (1 रन) को आउट कर भारत को पहली कामयाबी दिलाई. फिर अर्शदीप सिंह ने सेदिकुल्लाह अटल (0 रन) और रहमत शाह (3 रन) को पवेलियन भेजा.

इसके बाद रहमानुल्लाह गुरबाज ने अफगानिस्तान टीम की पारी को संभाला। गुरबाज ने सिर्फ 25 गेंदों पर अपना अद्धर्शतक पूरा किया। गुरबाज का साथ हशमतुल्लाह शाहिदी ने बहुत ही शानदार तरीके से निभाया और दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 116 रनों की साझेदारी हुई। गुरबाज को शतक तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा और वो 48 गेंदों में ही सेंचुरी पूरी करने में सफल रहे। गुरबाज ने 51 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिसमें 8 छक्के और 8 चौके शामिल रहे। गुरबाज का विकेट नीतीश कुमार रेड्डी ने लिया।

इसके बाद डेब्यूटेंट हर्ष दुबे ने कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी (27 रन) को आउट कर भारत को पांचवीं सफलता दिलाई। जबकि नीतीश कुमार रेड्डी ने मोहम्मद नबी (9 रन) को आउट किया। फिर हर्ष दुबे ने अजमतुल्लाह उमरजई (26 रन) और अल्लाह गजनफर (0 रन) के भी विकेट लिए।

आखिरी ओवर में गुरनूर बरार ने राशिद खान (9 रन) और जियाउर रहमान शरीफी (4 रन) को आउट कर अफगानी पारी समेट दी। गुरनूर बरार और हर्ष दुबे ने तीन-तीन विकेट झटके।

तो सचिन-विराट को भी पीछे छोड़ देंगे वैभव: स्टेन

जोहांसबर्ग एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन भी 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी देखकर हैरान हैं। स्टेन का मानना है कि जिस प्रकार से वैभव खेल रहे हैं, अगर उसी तरीके से खेलते रहे तो भविष्य में वह सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली को भी पीछे छोड़ देंगे। एक कार्यक्रम में जब स्टेन से वैभव को लेकर पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'वैभव एक असाधारण प्रतिभा है। वह इस समय दुनिया के अधिकांश अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से बेहतर खेल रहा है। वह भारतीय क्रिकेट का 'बॉय वंडर' और एक अनमोल खजाना है।' स्टेन की ये बातें वैभव की अविश्वसनीय प्रतिभा और उनके खेल पर उनके गहरे भरोसे को दिखाती हैं। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में कुल 16 मैचों में 776 रन बनाए थे। उन्होंने लगभग 48.50 के औसत और 237.30 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। ऐसा करना टी20 क्रिकेट में बेहद कठिन है। वैभव ने आईपीएल में 72 छक्के लगाकर सर्वाधिक छक्कों के क्रिस गेल के रिकॉर्ड को भी तोड़ा था। स्टेन ने यहां तक कहा , 'जब आप सचिन या विराट जैसे महान खिलाड़ियों के बारे में सोचते हैं, तो आपको लगता है कि इससे बड़ा कोई नहीं हो सकता पर यह बच्चा आने वाले समय में एक ऐसा धमाका करने वाला है कि अपने करियर के अंत तक वह इन दोनों दिग्गजों से भी आगे निकल जाएगा।' इस पूर्व तेज गेंदबाज ने वहीं वैभव को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और प्रशंसकों को भी आगाह किय है। उन्होंने कहा कि इतनी कम उम्र में इतनी बड़ी सफलता मिलना एक दोधारी तलवार की तरह है। इसलिए वैभव का ध्यान रखें। स्टेन के अनुसार, जब इतनी बड़ी जिम्मेदारी आती है, तो बड़े इनाम भी मिलते हैं, लेकिन खतरा भी उतना ही बड़ा होता है। अगर वैभव को सही तरीके से संभाला नहीं गया और उनका सही से प्रबंधन नहीं हुआ, तो भारतीय क्रिकेट इस अनमोल हीरे को बीच रास्ते में ही खो सकता है। इसलिए उन्हें बहुत ही सावधानी और देखरेख के साथ आगे बढ़ाना होगा। स्टेन से पहले भी कई दिग्गज खिलाड़ियों ने कहा है कि वैभव पर अभी से बेहतर प्रदर्नन के लिए दबाव नहीं बनाना चाहिये।

द्रविड़ के बेटे अन्वय श्रीलंका दौरे में अंडर-19 टीम से खेलते दिखेंगे

मुम्बई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व कोच राहुल द्रविड़ के छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ अब श्रीलंका दौरे में भारत की अंडर-19 टीम से खेलते दिखेंगे। 4 जुलाई से शुरू होने वाली इस सीरीज में उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिला है। इस दौरे पर खेले जाने वाले तीन एकदिवसीय और दो मल्टी-डे मैचों के लिए टीमों की घोषणा कर दी गयी है। इस दौरे में यशवर्धन सिंह चौहान को दोनों ही प्रारूपों में टीम की कप्तानी दी गयी है। 17 साल के अन्वय को व्हाइट-गेंद एकदिवसीय टीम में जगह मिली है। इसमें वह विकेटकीपर-बल्लेबाज के तौर पर उतरेंगे। यह उनके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने का एक अहम अवसर होगा।

अन्वय इससे पहले भी भारत की अंडर-19 टीम में शामिल रहे हैं, जहाँ इंडिया ब्लू टीम के लिए ट्राई-सीरीज में उन्हें एक मैच खेलने का अवसर मिला था। उनकी कम उम्र को देखते हुए, चयनकर्ताओं ने उन्हें अगले साइकल के लिए संभावित दावेदार के रूप में हमेशा देखा था। अब, एक नए चक्र की शुरुआत के साथ, अन्वय को श्रीलंका दौरे के लिए चुनना उनकी निरंतर प्रगति और प्रदर्शन का प्रमाण है। पिछले साल, अन्वय ने विनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक की कप्तानी करते हुए टीम को क्वार्टरफाइनल तक पहुंचाया था। इस टूर्नामेंट में उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन भी प्रभावशाली रहा था; उन्होंने छह मैचों में कुल 220 रन बनाए थे। द्रविड़ परिवार के लिए यह दूसरा अवसर है जब उनके किसी बेटे को अंडर-19 टीम में जगह मिली है। इससे पहले, 2024 में राहुल द्रविड़ के बड़े बेटे समित द्रविड़ को भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू बाइलैटरल सीरीज के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया था।

शुभमन एकदिवसीय में सबसे तेज 3000 रन पूरे करने वाले भारतीय बल्लेबाज बने

धर्मशाला एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में 47 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में अपने 3000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही शुभमन के नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज हो गयी है। वह सबसे तेज 3000 एकदिवसीय रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने यह रिकार्ड केवल 62 पारियों में ही पूरा कर दिया। इसी के साथ ही विश्व भर में सबसे तेज 3000 रन एकदिवसीय रन बनाने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले ये रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के हाशिम आमला के नाम दर्ज था।

शुभमन ने इस आंकड़े तक पहुंचने के साथ ही भारतीय टीम के पूर्व दिग्गज सलामी बल्लेबाज शिखर धवन का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। अब तक भारत में सबसे तेज इससे 3000 एकदिवसीय रन बनाने के मामले में धवन पहले ही नंबर पर थे। उन्होंने 72 पारियों में यह आंकड़ा हासिल किया था। वहीं शुभमन ने केवल 62 पारियों में अपने 3000 रन पूरे करने के मामले में ध्वन को पीछे छोड़ा।

62 पारियों में 3000 रन पूरे कर शुभमन ने वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप और पाकिस्तानी खिलाड़ी फखर जमान और इमाम उल हक को तीसरे नंबर पर धकेल दिया। इन तीनों ही खिलाड़ियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए 67-67 पारियां खेली थीं। अब शुभमन इन सबसे आगे निकल गये हैं। विश्व क्रिकेट में अब केवल दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज हाशिम अमला ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 57 पारियों में यह रिकॉर्ड बनाया था। 3000 एकदिवसीय रन बनाने वाले दुनिया भर के बल्लेबाजों में शुभमन के बल्लेबाजी का औसत दूसरा दूसरा सबसे बेहतरीन है। शुभमन का औसत 55 से ज्यादा का है। इस मामले में भारत के विराट कोहली (58.71 औसत) के साथ ही पहले नंबर पर हैं। शुभमन का का रन बनाने का स्ट्राइक रेट भी 99 से ज्यादा का है, जो कि काफी अच्छा माना जाता है।

इस साल के अंत में शुरु होने जा रही अफगानिस्तान प्रीमियर लीग

काबुल एजेंसी। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) भी अब उभरते हुए क्रिकेटरों को आगे आने का मंच देने लिए प्रीमियर लीग शुरु कर रहा है। एसीबी के अनुसार अफगानिस्तान प्रीमियर लीग (एपीएल) का पहला सत्र 27 दिसंबर 2026 को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में शुरु होगा। इस लीग से अफगानिस्तान क्रिकेट का तेजी से विकास होगा और बेहतर प्रतिभाएं सामने आयेंगे। अभी उसके खिलाड़ी अन्य देशों की लग में खेलते हैं।

प्रीमियर लीग टी20 टूर्नामेंट यूएई के बड़े क्रिकेट स्टेडियमों में खेला जाएगा और इसमें अफगानिस्तान के पांच प्रमुख क्रिकेट क्षेत्रों, जिनमें काबुल, कंधार, बल्ख, पकतिया और नंगरहार शामिल हैं की पांच फ्रैंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी।

इन टीमों के जरिये से देश के विभिन्न हिस्सों की प्रतिभाओं को एक मंच पर आने का मौका मिलेगा। इस लीग की शुरुआत ऐसे समय में हो रही है जब पिछले एक दशक में अफगान क्रिकेट ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय टीम ने खुद को वैश्विक क्रिकेट मंच पर एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया है और इसके कई खिलाड़ी दुनिया भर की प्रमुख टी20 लीगों में लोकप्रिय चेहरे बन गए हैं, जिससे उनकी वैश्विक पहचान बढ़ी है।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारतीय बैडमिंटन दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

नई दिल्ली एजेंसी। बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं। नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है।

वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किय है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है।

पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है। दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है। मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे। इनके अलावा रिजर्व सूची में पुरुष एकल में विश्व चैंपियनशिप किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, तथा महिला एकल में तन्वी शर्मा, अनमोल खरब, मालविका बंसोड़ और तस्नीम मीर हैं।

अमेरिका को पहले ही मैच में जीत दिलाने वाले बालोगुन को मिला था दो अन्य देशों से खेलने का प्रस्ताव

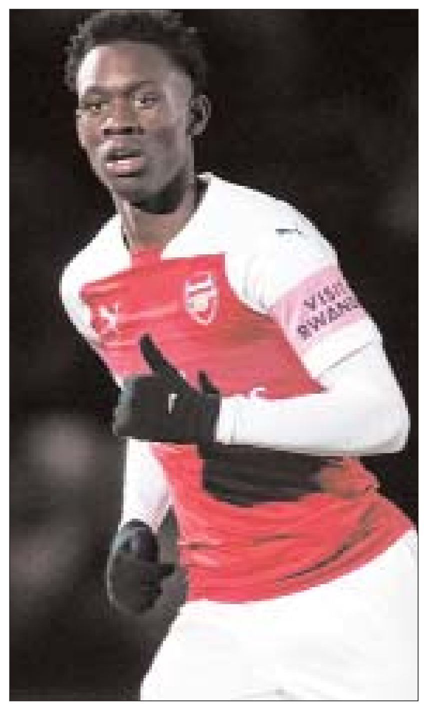

न्यूयार्क एजेंसी। फीफा विश्वकप के पहले ही मैच में अमेरिका को पराग्वे के खिलाफ 4-1 से जीत दिलाने वाले फोलारिन बालोगुन नाइजीरियाई मूल के हैं और उनका यहां तक का सफर बेहद कठिन रहा है। उनके जन्म के कुछ समय बाद ही पिता को देश तक छोड़ना पड़ा था। एक समय पर उन्हें इंग्लैंड और नाइजीरिया दोनों देशों से खेलने का प्रस्ताव मिला था पर , फोलारिन ने अमेरिका से खेलने का फैसला किया था। इस फुटबॉर का जन्म न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन इलाके में नाइजीरियाई माता-पिता के घर हुआ था। उनके पैदा होने के महज़ एक महीने बाद ही उनका परिवार इंग्लैंड चला गया, जहां वे लंदन में पले-बढ़े। उन्होंने आठ साल की छोटी उम्र में ही प्रतिष्ठित आर्सेनल अकादमी में दाखिला ले लिया, जिसने उनके फुटबॉल करियर की नींव रखी। युवा स्तर पर उन्होंने इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया, लेकिन साथ ही अमेरिका की अंडर-18 टीम के लिए भी खेलते रहे जिससे तीनों देशों से उनके जुड़ाव का संकेत मिला।

फोलारिन के पास अमेरिका के अलावा, अपने माता-पिता के मूल देश नाइजीरिया और अपने पालन-पोषण वाले देश इंग्लैंड की तरफ से खेलने का भी अवसर था पर उन्होंने समझदारी भरा फैसला लेते हुए अमेरिका को चुना क्योंकि वह जानने थे कि इंग्लैंड की टीम में स्टार खिलाड़ियों की भरमार है, ऐसे में वहां राष्ट्रीय टीम में जगह बना पाना एक बड़ी चुनौती होती, जबकि नाइजीरिया फुटबॉल में काफी पीछे है। उसकी टीम इस विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में भी असफल रही है। ऐसे में इस फुटबॉलर न का अमेरिका के लिए खेलने का फैसला न केवल उनके लिए बल्कि अमेरिकी फुटबॉल के लिए भी लाभदायक साबित हुआ है। पराग्वे के खिलाफ हुए धमाकेदार मुकाबले में बालोगुन ने दो शानदार गोल दागकर अपनी उपयोगिता साबित की। इस प्रदर्शन से वह 1930 के बाद विश्व कप के किसी मैच में दो गोल करने वाले पहले अमेरिकी खिलाड़ी बन गये। अब बालोगुन अमेरिकी फुटबॉल प्रेमियों के लिए एक प्रेरणा और उम्मीद का प्रतीक बन गए हैं। उनके सही समय पर लिए गए सही फैसले और मैदान पर उनके असाधारण प्रदर्शन ने उन्हें अमेरिका का हीरो बना दिया है।

नेमार के बिना फीकी पड़ी ब्राजील की चमक, मोरक्को ने 1-1 से ड्रॉ पर रोका

न्यूजर्सी एजेंसी। पांच बार की विजेता रही ब्राजील की टीम को फीफा विश्वकप फुटबॉल 2026 के अपने शुरुआती मुकाबले में ही मोरक्को की टीम ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। इस मैच में ब्राजीत को अपने स्टार खिलाड़ी नेमार की कमी खली। नेमार के नहीं होने से इस रोमांचक मुकाबले में ब्राजील की टीम की चमक पहले जैसी नहीं दिखी। मोरक्को ने उन्हें 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से ब्राजील का विश्व कप अभियान शुरुआत में ही कमजोर साबित हो गया है। टीम ने टूर्नामेंट में कदम रखते हुए जीत का सपना देखा था जिस पर अब सवाल उठने लगे हैं।

मैच की शुरुआत में ही मोरक्को ने आक्रामक रुख अपनाया। मैच के 21वें मिनट में ही इस्माइल सैबारी ने शानदार गोल कर मोरक्को को बढ़त दिला दी। इस शुरुआती झटके से ब्राजील पर दबाव बढ़ गया पर विनीसियस जूनियर ने 32 वें मिनट में एक गोल दागकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। यह विनीसियस का 10वां अंतरराष्ट्रीय गोल था, और उनके इस गोल ने स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया।

दोनो ही टीमों ने इसके बाद गोल करने के कई प्रयास किये पर सफल नहीं रहीं। ब्राजील ने 2002 के बाद से ही कोई विश्व कप नहीं जीता है और इस बार वे बड़े उम्मीदों के साथ मैदान में उतरे हैं। यही कारण था किस्टेडियम में मौजूद 80 हजार से अधिक दर्शकों ने मोरक्को के खिलाफ अपनी टीम की जीत के लिए नारे लगाये। प्रशंसक अपनी टीम से एक धमाकेदार शुरुआत की उम्मीद कर रहे थे पर मोरक्को की मजबूत रक्षापंक्ति और जवाबी हमलों ने ब्राजील को दूसरे गोल का अवसर ही नहीं दिया और मुकाबला अंत में बराबरी पर रहा।

इस मुकाबले में ब्राजील की टीम अपने स्टार खिलाड़ी नेमार जूनियर के बिना मैदान पर उतरी थी। नेमार दाहिने पैर की चोट से उबर रहे हैं और उनकी अनुपस्थिति टीम के आक्रमण पर स्पष्ट रूप से दिखाई दी। टीम को मिडफ़ील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच वह रचनात्मकता और जादू की कमी महसूस हुई जो नेमार आमतौर पर प्रदान करते हैं। अब ब्राजील को अपने अगले ग्रुप मैचों में प्रदर्शन सुधारना होगा जिससे वे विश्व कप के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर सकें।

मैच भले ही ड्रॉ रहा हो, लेकिन ब्राजील के खिलाड़ी और कोच दोनों ही टीम के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं दिखे। विनीसियस जूनियर ने खुद स्वीकार किया, हमारी शुरुआत बहुत खराब रही। हमें निश्चित रूप से गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखना होगा और आगे बेहतर खेल दिखाना होगा। कोच कार्लो एंसेलोटी ने भी टीम की शुरुआती बेचैनी और तनाव को स्वीकार करते हुए कहा कि टीम काफी असंतुलित नजर आ रही थी। ब्राजील 2002 से खिताब नहीं जीत पाया है और उस पर इसका दबाव स्पष्ट नजर आ रहा था।

ब्राजील ने पहले मैच में नहीं हारने के रिकार्ड को बरकरार रखा... ब्राजील ने भले ही मोरक्को पर जीत हासिल न की हो, लेकिन उसने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। इस ड्रॉ के साथ ब्राजील ने 1934 के बाद से विश्व कप के अपने पहले मैच में कभी न हारने के 92 साल पुराने अजेय क्रम को बरकरार रखा है। अब यह सिलसिला 21 मैचों तक पहुंच गया है, जिसमें 17 जीत भी शामिल हैं।

200 लीटर की सीमा के बीच केसीसी के टैंकर में भर रहा डीजल, जियो पेट्रोल पंप की तस्वीरों ने खड़े किए बड़े सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले में डीजल वितरण व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवालों का बाजार गर्म है। ताजा सामने आई तस्वीरों में एक टैंकरनुमा वाहन जियो पेट्रोल पंप पर डीजल भरवाते हुए दिखाई दे रहा है स्थानीय लोगों का दावा है कि यह वाहन सड़क निर्माण कार्य में लगी केसीसी कंपनी से जुड़ा हुआ है। तस्वीरों के सामने आने के बाद अब यह बहस तेज हो गई है कि आखिर जब शासन ने डीजल की बिक्री पर सीमा निर्धारित कर रखी है तो बड़े पैमाने पर ईंधन आपूर्ति किस नियम के तहत की जा रही है गौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका-ईरान तनाव और संभावित ईंधन संकट को देखते हुए सरकार ने पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता बनाए रखने के लिए कई एहतियाती कदम उठाए हैं। इसी क्रम में खुदरा पेट्रोल पंपों से डीजल बिक्री पर प्रति वाहन 200 लीटर तक की सीमा निर्धारित किए जाने की बात सामने आई थी ताकि आम जनता किसानों और आवश्यक सेवाओं को पर्याप्त

मात्रा में ईंधन मिलता रहे तथा कालाबाजारी और जमाखोरी पर रोक लगाई जा सके लेकिन रीवा में सामने आई तस्वीरें कई सवाल खड़े कर रही हैं। तस्वीरों में स्पष्ट रूप से एक टैंकर वाहन पेट्रोल पंप पर खड़ा दिखाई दे रहा है जबकि दूसरी तस्वीर में उसी वाहन को ईंधन भरते हुए देखा जा सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रतहरा से चोरहटा तक सड़क निर्माण कर रही केसीसी कंपनी के वाहनों और टैंकरों को लगातार ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है जबकि कई बार आम वाहन चालकों को सीमित मात्रा या स्टॉक की कमी का हवाला दिया जाता है क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि यदि शासन का उद्देश्य ईंधन संकट की स्थिति में आम जनता को राहत देना है तो फिर यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि नियम सभी पर समान रूप से लागू हों। लोगों का सवाल है कि यदि एक वाहन को 200 लीटर तक ही डीजल दिए जाने की व्यवस्था है तो टैंकरों में होने वाली आपूर्ति की निगरानी कौन कर रहा है और उसका रिकॉर्ड किस विभाग के पास है मामले को लेकर एक और चर्चा यह भी है कि कमर्शियल सप्लाई की तुलना में सार्वजनिक पेट्रोल पंपों पर डीजल की दर अपेक्षाकृत कम पड़ती है। ऐसे में निर्माण कंपनियों द्वारा सार्वजनिक पंपों से बड़े पैमाने पर ईंधन लेने की स्थिति में आम उपभोक्ताओं पर दबाव बढ़ सकता है। यही वजह है कि स्थानीय लोग पूरे मामले की जांच की मांग कर रहे हैं स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जियो पेट्रोल पंप पर कई बार कंपनी के वाहनों को प्राथमिकता के आधार पर ईंधन उपलब्ध कराया जाता है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है लेकिन सामने आई तस्वीरों ने प्रशासनिक निगरानी पर प्रश्नचिह्न अवश्य लगा दिए हैं अब लोगों ने जिला प्रशासन, खाद्य विभाग परिवहन विभाग और पेट्रोलियम कंपनियों के अधिकारियों से मांग की है कि तस्वीरों की सत्यता टैंकर में भरे गए ईंधन की मात्रा उसके उपयोग और वितरण व्यवस्था की जांच कराई जाए। यदि सब कुछ नियमों के अनुसार हो रहा है तो स्थिति स्पष्ट की जाए और यदि कहीं अनियमितता है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाए रीवा में सामने आई ये तस्वीरें फिलहाल एक बड़ा सवाल छोड़ रही हैं क्या 200 लीटर की सीमा सिर्फ आम जनता के लिए है या फिर नियमों का पालन सभी पर समान रूप से हो रहा है।

हरिद्वार में भा. किसान यूनियन टिकैत का चार दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हरिद्वार में भारतीय किसान यूनियन टिकैत का चार दिवसीय राष्ट्रीय चिंतन शिविर किसान कुंभ दिनांक 15/06/2026 से 18/06/26 तक वीआईपी घाट लाल कोठी हरिद्वार उत्तराखंड में किया जा रहा है जिसके लिए भारतीय किसान यूनियन टिकैत रीवा के जिलाध्यक्ष सग्रीव सिंह ने सभी किसानों से अपील की है कि दिनांक 14/06/26 को शाम 4 बजे रीवा रेलवे स्टेशन पहुचे और आनंद विहार ट्रेन से सभी लोग रवाना होंगे भारतीय किसान यूनियन टिकैत के चिंतन शिविर में देश के कोने-कोने से संगठन के किसान शिरकत करेंगे। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत इस कार्यक्रम की अगुआई करेंगे, कार्यक्रम में किसानों के विभिन्न समस्याओं को लेकर जैसे खाद,बीज, बिजली,आवारा पशु, एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों की आय दोगुनी करना, भारत अमेरिका ट्रेड डील सहित विभिन्न समस्याओं को लेकर चिंतन मंथन किया जाएगा हरिद्वार में जाने वालों में मुख्य रूप से सुग्रीव सिंह जिला अध्यक्ष, विश्वनाथ पटेल चोटी वाला प्रदेश प्रवक्ता, उमेश पटेल प्रदेश महासचिव, दिनेश सिंह युवा जिला अध्यक्ष,अमित सिंह जनपद सदस्य, प्रीति विश्वकर्मा नगर अध्यक्ष सेमरिया, आशा सिंह नगर उपाध्यक्ष, सुशील सिंह, विपिन सिंह रामकरण सिंह, अशोक सिंह, नेत्र राज़ सिंह, मीरा सिंह, मीरा सोनी रामबहोर सिंह, महेंद्र सिह इत्यादि सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

कंचनपुर नहर पटरी मुरमीकरण कार्य अटका, आरईएस द्वारा टीएस न किए जाने पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)।

रीवा जिले के जवा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कंचनपुर में नहर की पटरी पर प्रस्तावित मुरमीकरण कार्य आरईएस विभाग की तकनीकी स्वीकृति (टीएस) न मिलने के कारण अटका हुआ है। इस कार्य के लिए विधायक सिरमौर द्वारा 3 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है वहीं जल संसाधन विभाग द्वारा पहले ही अनापत्ति प्रमाण पत्र भी जारी किया जा चुका है जानकारी के अनुसार यह मुरमीकरण कार्य प्रधानमंत्री सड़क से प्राथमिक पाठशाला

भवन सेंहुडा 551 तक नहर की पटरी पर किया जाना है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिल सके। लेकिन आरईएस विभाग रीवा के मुख्य कार्यपालन यंत्री द्वारा तकनीकी स्वीकृति (टीएस) जारी नहीं किए जाने के कारण कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहा है ग्रामीणों का कहना है कि सभी आवश्यक प्रशासनिक स्वीकृतियां होने के बावजूद केवल तकनीकी स्वीकृति के अभाव में कार्य रुका हुआ है, जिससे आने वाले बरसात के मौसम में ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है इस मामले पर भाजपा महामंत्री पुष्पराज सिंह ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यदि समय रहते आरईएस विभाग द्वारा टीएस जारी नहीं किया गया तो निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाएगा। उन्होंने कहा कि बारिश का मौसम नजदीक है, ऐसे में कार्य में देरी से ग्रामीणों को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा स्थानीय लोगों ने भी मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द तकनीकी स्वीकृति जारी कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराए, ताकि क्षेत्र में बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध हो सके और बरसात के दौरान समस्या उत्पन्न न हो फिलहाल पूरा मामला आरईएस विभाग की प्रक्रिया में अटका हुआ है और ग्रामीणों की नजर अब प्रशासनिक निर्णय पर टिकी हुई है।

खेत बचाओ अभियान में किसानों को संतुलित उर्वरक उपयोग एवं प्राकृतिक खेती अपनाने का दिया गया संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सिरमौर विकासखंड अन्तर्गत बीरखाम गांव में कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना के संयुक्त तत्वाधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर उप संचालक कृषि यू.पी. बागरी ने बताया कि खेत बचाओ अभियान का मुख्य उद्देश्य किसानों को ई-विकास प्रणाली से संतुलित उर्वरक उपयोग, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जल संरक्षण तथा कृषि एवं उद्यानिकी फसलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना है। किसानों को मृदा परीक्षण के महत्व, जैविक एवं प्राकृतिक कृषि तकनीकों, रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी जानकारी इस दौरान की गई। किसानों को बताया कि स्वस्थ मिट्टी ही टिकाऊ कृषि एवं बेहतर उत्पादन का आधार है। मृदा स्वास्थ्य में सुधार कर खेती की लागत कम की जा सकती है तथा पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने प्राकृतिक खेती एवं मृदा संरक्षण संबंधी तकनीकों को अपनाने का संकल्प लिया। कृषि विभाग एवं आत्मा परियोजना ने किसानों से अपील की है कि वे खेत बचाओ अभियान से जुड़कर स्वस्थ मिट्टी, स्वस्थ फसल एवं समृद्ध किसान के लक्ष्य को साकार करने में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में स्मिता मिश्रा,एटीएम आभा गौर, अंजना त्रिपाठी,कृष्ण कुमार कुशवाहा, नीतू सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

चिरहुला धाम में DK Associates द्वारा प्रसाद वितरण कार्यक्रम संपन्न, श्रद्धालुओं ने लिया लाभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। धार्मिक एवं सामाजिक सेवा के उद्देश्य से DK Associates परिवार की ओर से चिरहुला धाम में प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य श्रद्धालुओं के बीच सेवा भावना को बढ़ावा देना और धार्मिक स्थल पर आने वाले भक्तों को प्रसाद उपलब्ध कराना रहा कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिन्होंने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं ने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी सहयोग और सेवा भावना को मजबूत करते हैं इस कार्यक्रम का नेतृत्व DK Associates की संचालिका ज्योति मिश्रा ने किया। उनके साथ व्यवसायिक साझेदार दीपक मिश्रा, जीएम पुनीत तिवारी, अकाउंटेंट पंकज तिवारी,

टीम लीडर मयंक गौतम सहित DK Associates की पूरी टीम सक्रिय रूप से उपस्थित रही आयोजन के दौरान टीम के सदस्यों ने स्वयं श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया और व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित किया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ तथा भक्तों में विशेष उत्साह देखा गया इस अवसर पर DK Associates परिवार ने कहा कि उनका उद्देश्य केवल व्यावसायिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा और धार्मिक कार्यों में भी सक्रिय भागीदारी निभाना है। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहने का संकल्प व्यक्त किया स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से धार्मिक स्थलों पर सकारात्मक वातावरण बनता है और लोगों में सेवा भाव की भावना को बढ़ावा मिलता है कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने DK Associates टीम को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

टमस नदी पर बालू माफियाओं का कहर, अवैध उत्खनन से छलनी हो रहा नदी का सीना !

कुसमैदा घाट से रोजाना सैकड़ों ट्रैक्टर बालू निकासी का आरोप, खनिज विभाग और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जवा तहसील अंतर्गत ग्राम कुसमैदा में टमस नदी से बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध बालू उत्खनन ने प्रशासनिक व्यवस्था और खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर बालू का अवैध उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है। हालात यह हैं कि रात के अंधेरे में नदी के घाटों पर बालू माफियाओं की गतिविधियां तेज हो जाती हैं और सुबह तक बड़ी मात्रा में बालू नदी से बाहर पहुंचा दी जाती है ग्रामीणों का कहना है कि टमस नदी के कुसमैदा घाट सहित आसपास के कई स्थानों से लगातार बालू निकाली जा रही है। इसके बावजूद न तो खनिज विभाग के अधिकारी मौके पर दिखाई देते हैं और न ही स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई

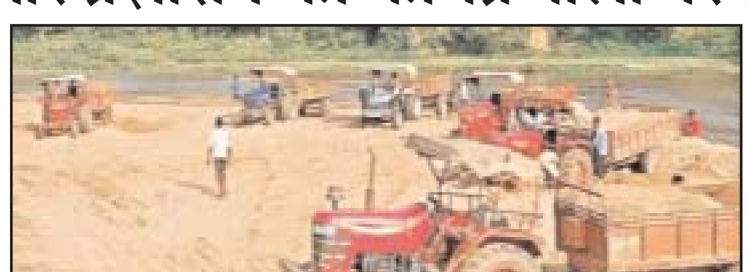

सख्त कदम उठाया जा रहा है। लोगों का आरोप है कि यदि प्रतिदिन इतनी बड़ी मात्रा में बालू निकाली जा रही है तो यह गतिविधि जिम्मेदार अधिकारियों की जानकारी के बिना संभव नहीं हो सकती। यही कारण है कि अब ग्रामीणों के बीच यह चर्चा भी तेज हो गई है कि आखिर किसके संरक्षण में यह अवैध कारोबार संचालित हो रहा है क्षेत्रवासियों का कहना है कि शासन द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए लगातार योजनाएं चलाई जा रही हैं। नदियों तालाबों और जल स्रोतों को बचाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर अवैध उत्खननकर्ता खुलेआम नदी का अस्तित्व मिटाने में जुटे हुए हैं। टमस नदी से लगातार निकाली जा रही बालू के कारण नदी का स्वरूप प्रभावित हो रहा है और पर्यावरणीय संतुलन पर भी खतरा मंडराने लगा है। वही बालू उत्खनन से नदी की जलधारण क्षमता कम होती है भू-जल स्तर प्रभावित होता है और नदी के आसपास के क्षेत्रों में कटाव की समस्या बढ़ जाती है। इसके अलावा नदी के प्राकृतिक प्रवाह पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके बावजूद यदि अवैध उत्खनन पर रोक नहीं लग रही है तो यह चिंता का विषय है ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध उत्खनन के कारण शासन को भी लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। बिना रॉयल्टी और बिना अनुमति निकाली जा रही बालू सीधे सरकारी खजाने को चूना लगा रही है। लोगों का मानना है कि यदि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आ सकते हैं और अवैध कारोबार से जुड़े लोगों की भूमिका भी उजागर हो सकती है। जिले में नवागत कलेक्टर के आगमन के बाद क्षेत्र के लोगों में उम्मीद जगी है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई करेगा।

प्रहार-2 के बीच भोपाल STF की एंट्री! STF ने 2.5 क्विंटल गांजा और 60 पेटी कोरेक्स पकड़कर खड़े किए रेंज में बड़े सवाल

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे प्रहार-2.0 अभियान के दावों के बीच भोपाल STF की एक बड़ी कार्रवाई ने रीवा रेंज से लेकर सतना तक पुलिस व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सतना के टिकुरिया टोला क्षेत्र में STF द्वारा की गई कार्रवाई में करीब 2.5 क्विंटल गांजा और 60 पेटी कोरेक्स सिरप बरामद किए जाने की खबर ने पूरे विंध्य क्षेत्र में हलचल मचा दी है यह कार्रवाई इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि कुछ समय पहले ही रीवा रेंज के आईजी द्वारा यह दावा किया गया था कि कोरेक्स के अवैध कारोबार का लगभग सफाया कर दिया गया है। ऐसे में अब सवाल उठ रहा है कि यदि कोरेक्स का नेटवर्क

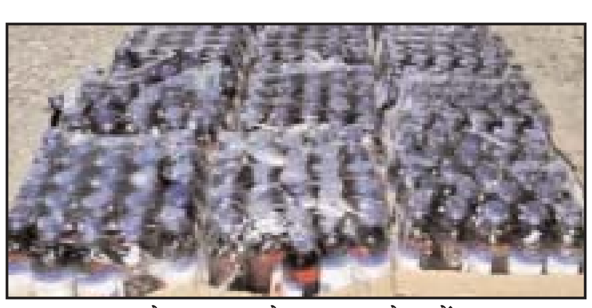

लगभग समाप्त हो चुका था तो फिर STF को इतने बड़े स्तर की कार्रवाई के लिए इनपुट कहां से मिले और यदि इनपुट मौजूद थे तो स्थानीय पुलिस और खुफिया तंत्र उन तक क्यों नहीं पहुंच पाया जानकारी के अनुसार पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के निर्देश और STFDIG राहुल लोढ़ा के नेतृत्व में टीम को विशेष टास्क दिया गया था। STF ने गोपनीय तरीके से काम करते हुए रीवा और सतना क्षेत्र में पड़ाव डाला सूचनाएं जुटाई और फिर कार्रवाई को अंजाम दिया। हैरानी की बात यह बताई जा रही है कि पूरी कार्रवाई के दौरान स्थानीय पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी यहीं से कई नए सवाल जन्म लेते हैं। रीवा रेंज में साइबर मॉनिटरिंग और तकनीकी निगरानी को लेकर लगातार दावे किए जाते रहे हैं। रेंज स्तर की साइबर टीम से लेकर जिला स्तर की साइबर इकाइयों तक आधुनिक संसाधनों की बात कही जाती है। लेकिन जब STF ने एक बड़े नेटवर्क तक पहुंचकर कार्रवाई कर दी तब स्थानीय साइबर तंत्र आखिर आरोपियों तक क्यों नहीं पहुंच पाया इस कार्रवाई के बाद लोगों के बीच चर्चा है कि यदि STF जैसी विशेष एजेंसी सीमित समय में ठोस सूचना जुटाकर बड़ी सफलता हासिल कर सकती है तो स्थानीय स्तर पर चल रहे अभियानों को ऐसी सफलता क्यों नहीं मिल रही। कई लोग इसे प्रहार-2.0 के लिए आईना बता रहे हैं लोगो का मानना है कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल अभियान चलाने या प्रेस विज्ञप्तियां जारी करने से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए मजबूत खुफिया नेटवर्क तकनीकी निगरानी और कार्रवाई की स्पष्ट मंशा आवश्यक होती है। STF की कार्रवाई ने यही संदेश दिया है कि जब इरादा साफ हो और रणनीति मजबूत हो तो बड़े से बड़ा नेटवर्क भी कानून की पकड़ से नहीं बच सकता वहीं दूसरी ओर इस पूरे घटनाक्रम ने रीवा रेंज और सतना जिले में चल रहे नशा विरोधी अभियानों की वास्तविक स्थिति पर बहस छेड़ दी है। आखिर वह कौन-सी कड़ी थी जो स्थानीय एजेंसियों की पकड़ से बाहर रही लेकिन STF की नजरों से नहीं बच सकी क्या खुफिया तंत्र में कहीं चूक हुई या फिर समन्वय की कमी रही फिलहाल STF की इस कार्रवाई ने एक बात तो साफ कर दी है कि नशे का नेटवर्क अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। 2.5 क्विंटल गांजा और 60पेटी कोरेक्स की बरामदगी ने यह साबित कर दिया है कि चुनौती अभी भी मौजूद है।

रक्तदान महादान है - उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्तदान करके मानवता की सेवा में अमूल्य योगदान दिया जा सकता है। रक्तदान से दूसरों का जीवन भी बचता है। उप मुख्यमंत्री ब्राम्हाकुमारी संस्थान रीवा द्वारा आयोजित रक्तदाता सम्मान समारोह में शामिल हुए और रक्तदाताओं को सम्मानित किया तथा प्रमाण पत्र वितरित किये संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्तदान-जीवनदान है और यह मानवता की पहचान भी है। इस पुनीत कार्य में सहभागिता कर रक्तदाताओं ने मानवता की सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। रक्तदान द्वारा जरूरतमंद व्यक्ति की जिंदगी को बचाया जा सकता है। स्वास्थ्य के लिए भी रक्तदान बहुत लाभकारी है। रक्तदान से शरीर में जितने खून की कमी होती है उसे शरीर कुछ ही दिनों में नया रक्त बनाकर पूरा कर देता है। नियमित रक्तदान से ह्रदय रोग सहित अन्य गंभीर रोगों का खतरा कम होता है। उप मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की वह नियमित रूप से रक्तदान करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर ब्राम्हाकुमारी संस्थान द्वारा उप मुख्यमंत्री जी का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दीदी निर्मला, भाई प्रकाश जी सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।